वर्ष : 34 | अंक : 312 | मुंबई, रविवार , 18 जनवरी 2026 | RNI: MAHHIN/49994/91 | मूल्य : 3 रुपए | epaper.dobajedopahar.com | संपादक : अरुण लाल | संरक्षक : एन. के. पुरोहित

50 फीसदी टोल छूट बढ़ी

महाराष्ट्र कैबिनेट ने मुंबई में सत्तारूढ़ महायुति की बड़ी जीत के बाद बड़ा रिटर्न गिफ्ट दिया। मुंबई और नवी मुंबई को जोड़ने वाले अटल बिहारी वाजपेयी सेवरी-न्हावाशेवा अटल सेतु के इस्तेमाल के लिए टोल में पचास परसेंट की छूट देने के फैसले को राज्य कैबिनेट की मीटिंग में मंजूरी दे दी गई। मीटिंग की अध्यक्षता मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने की। इलेक्ट्रिक मोटर कार और बसों के लिए अटल सेतु के टोल से पूरी छूट के मुद्दे को भी नोटिफिकेशन में शामिल करने की मंजूरी दी गई। इससे ई-गाड़ी मालिकों के साथ-साथ दूसरी गाड़ी मालिकों को भी राहत मिलेगी। राज्य कैबिनेट ने 4 जनवरी, 2024 को अपनी मीटिंग में अटल सेतु के इस्तेमाल के लिए पचास परसेंट की छूट देने का फैसला किया था। उस फैसले के मुताबिक 1 जनवरी, 2026 से 31 दिसंबर, 2026 तक और टोल को मंजूरी दी गई थी। इसके साथ ही दूसरी गाड़ियों के लिए एक तरफ के सफर के लिए टोल रेट भी तय किए गए थे।

DBD दो बजे दोपहर

पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है

जीत के बाद एक्शन में सरकार

- महायुति सरकार ने लगाई फैसलों की झड़ी, 10 बड़े फैसले लिए
- पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए मुंबई में बनेंगे 45 हजार सरकारी घर
- सरकार ने अटल सेतु पर टोल छूट को और बढ़ाया, कैबिनेट में हुआ फैसला

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

महाराष्ट्र में निकाय चुनावों में महायुति की बड़ी जीत के अगले ही दिन राज्य सरकार ने तेज रफ्तार में 10 बड़े फैसले लिए। सरकार ने साफ संकेत दिया है कि अब फोकस विकास और सुशासन पर रहेगा। मुंबई में हुई कैबिनेट बैठक में बुनियादी ढांचे, शहरी परिवहन, कृषि, सिंचाई और आवास से जुड़े कई अहम प्रस्तावों को मंजूरी दी गई। बैठक में गृह विभाग के एक बड़े प्रस्ताव को कैबिनेट ने मंजूरी दी। इसमें मुंबई में पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए 40 से 45 हजार घर बनाने का निर्णय लिया गया। इसके साथ ही कैबिनेट ने मुंबई अर्बन ट्रांसपोर्ट प्रोजेक्ट-2 के लिए संशोधित लागत और राज्य सरकार के हिस्से को भी मंजूरी दी गई, जिससे उपनगरीय रेल और शहरी यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाया जा सकेगा।

मुंबई पुलिस हाउसिंग टाउनशिप को मंजूरी

कैबिनेट ने मुंबई पुलिस हाउसिंग टाउनशिप को मंजूरी प्रदान कर दी। सरकार के निर्णय के बाद अब मुंबई शहर और उपनगरों में पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए लगभग 40 से 45 हज़ार सरकारी घरों का निर्माण होगा। मुंबई पुलिस हाउसिंग टाउनशिप को पब्लिक वर्क्स डिपार्टमेंट के स्टेट इंफ्रास्ट्रक्चर कॉर्पोरेशन के जरिए बनाया जाएगा। इस टाउनशिप प्रोजेक्ट के जरिए लगभग पांच करोड़ स्क्वायर फीट एरिया डेवलप किया जाएगा। इस पर लगभग 20 हज़ार करोड़ रुपये खर्च होने की उम्मीद है।

धार्मिक, प्रशासनिक और परिवहन से जुड़े फैसले क्या रहे?

नवी मुंबई के उलवे में तिरुपति देवस्थानम को पद्मावती देवी मंदिर निर्माण के लिए दी गई जमीन पर प्रीमियम माफ करने का फैसला भी कैबिनेट ने लिया। इसके अलावा अर्थशास्त्र एवं सांख्यिकी निदेशालय के 1,901 पदों के पुनर्गठन को मंजूरी दी गई और इसका नाम बदलकर आयुक्तालय करने का निर्णय लिया गया। जिला योजना समितियों और संभागीय आयुक्त कार्यालयों के लिए नए स्टाफ पैटर्न को भी स्वीकृति दी गई। राज्य सरकार ने पुणे महानगर परिवहन महामंडल के लिए 1,000 इलेक्ट्रिक बसों की खरीद को भी मंजूरी दी। यह योजना पीएम ई-ड्राइव स्कीम के तहत लागू होगी, जिसमें भुगतान सीधे पुणे और पिंपरी-चिंचवड़ नगर निगम से किया जाएगा।

कृषि, सिंचाई और युवाओं को लेकर क्या बड़े कदम उठे?

ठाणे जिले के बापगांव (भिवंडी तालुका) में किसानों के लिए सब्जी निर्यात हेतु मल्टी-पर्पस, मल्टी-मॉडल हब और टर्मिनल मार्केट के निर्माण को मंजूरी दी गई। इसके लिए राज्य कृषि विपणन निगम को 7 हेक्टेयर 96 .80 आर जमीन आवंटित की जाएगी। - यवतमाल जिले में बेम्बल नदी परियोजना के लिए 4,775 करोड़ रुपये की मंजूरी दी गई है, जिससे पांच तालुकाओं की 52,423 हेक्टेयर जमीन सिंचाई के दायरे में आएगी।

पावर के लिए एकजुट पवार परिवार

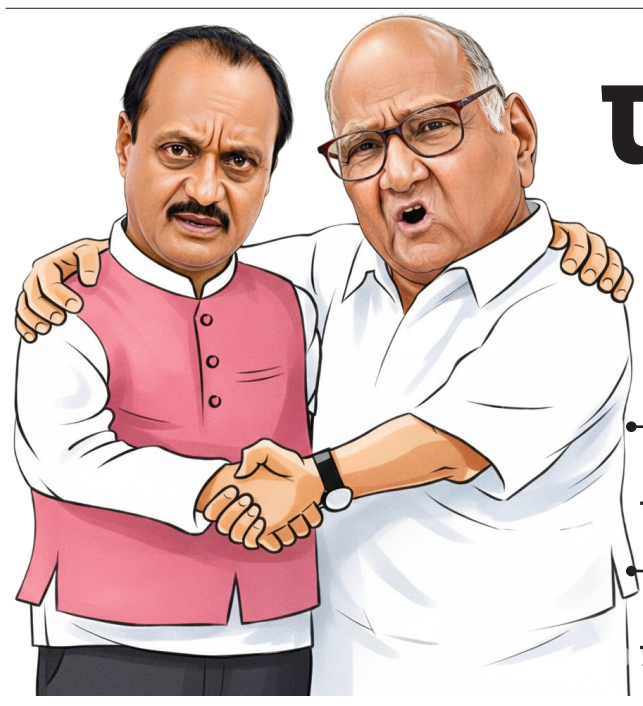

- महाराष्ट्र में जिला परिषद और पंचायत समिति चुनाव दोनों राकांपा साथ लड़ेंगे
- शरद पवार समूह के प्रदेश अध्यक्ष शशिकांत शिंदे ने दी जानकारी

डीबीडी संवाददाता | मुंबई/पुणे

महाराष्ट्र चुनाव परिणामों में भाजपा को जहां रिकॉर्ड-तोड़ जीत मिली, वहीं अजित पवार की अगुवाई वाली एनसीपी के लिए यह नतीजे किसी बड़े झटके से कम नहीं रहे हैं. नतीजों के तुरंत बाद शरद पवार और अजित पवार की मुलाकात हुई। इसके बाद राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के दोनों समूहों ने जिला परिषद और पंचायत समिति के आगामी चुनाव एक साथ मिलकर लड़ने का निर्णय लिया है।

पिछली गलतियों से सबक, बेहतर परिणाम की उम्मीद

विधायक रोहित पवार ने कहा कि नगर निगम चुनाव में भी कई जगह दोनों राकांपा ने साथ मिलकर चुनाव लड़ा था, लेकिन निर्णय देर से होने के कारण अपेक्षित सफलता नहीं मिल सकी। इस बार जिला परिषद और पंचायत समिति चुनाव समय पर रणनीति बनाकर मिलकर लड़े जाएंगे। उनका दावा है कि इससे चुनावी परिणाम दोनों दलों के लिए अधिक आशाजनक साबित होंगे।

विलय की अफवाह पर विराम

इस मुलाकात ने राजनीतिक हलकों में एक बार फिर दोनों गुटों के विलय की चर्चाओं को हवा दी, लेकिन अब अजित पवार ने इन अटकलों पर विराम लगाते हुए साफ कहा है कि ऐसी किसी भी बातचीत की शुरुआत ही नहीं हुई . उन्होंने पार्टी की करारी हार, आगे की रणनीति, भाजपा की सफलता और ईवीएम को लेकर उठने वाले सवालों पर खुलकर अपनी बात रखते हुए यह संकेत भी दिया कि हार के बावजूद वे पीछे हटने वाले नहीं हैं और संगठन को मजबूत करने की कोशिश जारी

ईवीएम पर सवाल और भाजपा की जीत पर भी बोले

इस दौरान अजित पवार ने ईवीएम पर सवाल उठाने वालों को लेकर कहा कि मुझे इस बारे में अभी कुछ नहीं कहना है। अक्सर हार होने पर ही ऐसे आरोप लगाए जाते हैं। हो सकता है कि कोई एक उम्मीदवार बोल रहा हो, लेकिन 29 जगहों पर चुनाव हुए और हजारों लोग खड़े थे। यह लोकतंत्र है और समाचार माध्यमों को अपनी बात रखने का अधिकार है। साथ ही भाजपा की जीत पर उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में मतदाता ही राजा होता है। राजनीतिक दलों का काम सिर्फ प्रयास करना है। भाजपा को जो शानदार सफलता मिली है, उसके लिए मैं उनका तहे दिल से अभिनंदन करता हूं। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के नेतृत्व में भाजपा ने ये चुनाव लड़े और उन्हें बहुत अच्छा रिस्पॉन्स मिला है, जबकि अन्य को हार का सामना करना पड़ा है।

अंदाज गलत साबित हुआ : अजित पवार

इस दौरान उन्होंने इन चुनावों में हार और भविष्य की रणनीति को लेकर भी अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि हार हुई है, लेकिन मेरा गणित साफ है, हार से कभी हार मानकर बैठना नहीं चाहिए, बल्कि अपना काम करते रहना चाहिए। अभी नतीजों को 24 घंटे भी नहीं हुए हैं, तड़के 3 बजे तक तो नतीजे ही आ रहे थे। हम साथ बैठेंगे, चर्चा करेंगे। हमार अंदाज गलत साबित हुआ, वैसे ही जैसे मीडिया के भी कई अंदाज गलत निकले।

अजित पवार- शरद पवार की अहम मुलाकात

उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने पुणे जिले के गोविंद बाग में जाकर राकांपा एसपी प्रमुख शरद पवार से मुलाकात की। दोनों नेताओं के बीच करीब डेढ़ घंटे तक गहन चर्चा हुई। इस बैठक में शरद पवार गुट के प्रदेश अध्यक्ष शशिकांत शिंदे, पूर्व मंत्री जयंत पाटिल, सांसद अमोल कोल्हे, पूर्व मंत्री राजेश टोपे, पूर्व सहकारिता मंत्री हर्षवर्धन पाटिल और विधायक रोहित पवार मौजूद रहे। बैठक के बाद अजित पवार ने सांसद सुप्रिया सुले से भी अलग से चर्चा की, हालांकि इस पर कोई आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई।

जल्द होगा औपचारिक ऐलान

बैठक के बाद अजित पवार ने संकेत देते हुए कहा कि बहुत जल्द सभी बातों का खुलासा हो जाएगा। वहीं, राकांपा एसपी के प्रदेश अध्यक्ष शशिकांत शिंदे ने बताया कि जिला परिषद और पंचायत समिति चुनाव साथ मिलकर लड़ने को लेकर प्राथमिक चर्चा हुई है और दोनों दलों के कार्यकर्ताओं की भी यही इच्छा है। उन्होंने कहा कि नगर निगम चुनाव से पहले शरद पवार ने इस संबंध में निर्णय कार्यकर्ताओं पर छोड़ दिया था।

'बीजेपी ने पैसों के दम पर चुनाव जीता'

महाराष्ट्र निकाय चुनाव में करारी हार के बाद उद्धव का बड़ा आरोप

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

महाराष्ट्र निकाय चुनाव के परिणामों के बाद मुंबई की राजनीति में आरोप-प्रत्यारोप का दौर तेज हो गया है। शिवसेना (UBT) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने शनिवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस कर भाजपा और महायुति गठबंधन पर तीखे हमले किए। उद्धव ठाकरे ने भाजपा पर चुनाव जीतने के लिए अनैतिक रास्तों का इस्तेमाल करने का आरोप लगाया। इस चुनाव में भारी मात्रा में बेहिसाब पैसा खर्च किया गया है। चुनाव से ठीक पहले मतदाताओं को लुभाने के लिए प्रेशर कुकर, और यहाँ तक कि वॉशिंग मशीन जैसी वस्तुएं बांटी गईं

जोड़-तोड़ की राजनीति और 'शिंदे गुट' में सेंध की भविष्यवाणी

मेयर चुनाव को लेकर उद्धव ठाकरे ने एक बड़ी भविष्यवाणी की है। उन्होंने कहा कि जिस तरह भाजपा ने उनकी पार्टी को तोड़कर एकनाथ शिंदे को मुख्यमंत्री बनाया था, उसी तरह अब भाजपा शिंदे की शिवसेना में भी फूट डालेगी। उद्धव का मानना है कि भाजपा मुंबई में अपना महापौर बनाने के लिए शिंदे गुट के पार्षदों को अपनी ओर खींच सकती है।

प्रधानमंत्री की रैली और जनादेश पर तंज

उद्धव ठाकरे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मुंबई रैली का जिक्र करते हुए चुनाव परिणामों पर संदेह जताया। उन्होंने कहा कि रैली के दौरान कुर्सियां खाली थीं, फिर भाजपा को इतने वोट कैसे मिल गए? उन्होंने व्यंग्यात्मक लहजे में पूछा, ₹क्या खाली कुर्सियों ने वोट दिए हैं?₹ उद्धव ने स्पष्ट किया कि भले ही आंकड़े फिलहाल उनके पक्ष में न हों, लेकिन उनके उम्मीदवारों ने कड़ी मेहनत की है।

पार्षदों की घेराबंदी और 'रिजॉर्ट पॉलिटिक्स'

बीएमसी में बहुमत के करीब पहुँचने के बाद भी शिंदे गुट द्वारा अपने 29 पार्षदों को फाइव स्टार होटल में ठहराए जाने पर उद्धव ने सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि जिन लोगों ने अपने चुने हुए प्रतिनिधियों को 'नजरबंद' कर रखा है, उन्हें स्पष्ट करना चाहिए कि उन्हें आखिर किस बात का डर है? गौरतलब है कि भाजपा और शिंदे गुट के पास कुल 118 सीटें हैं, जो बहुमत से केवल 4 अधिक हैं।

मनसे के साथ गठबंधन पर 'मीठी' चुप्पी

राज ठाकरे की मनसे के साथ भविष्य के गठबंधन पर पूछे गए सवाल को उद्धव ने चतुराई से टाल दिया। उन्होंने कहा, फिलहाल मैं जीत (उम्मीदवारों की) की मिठाई खा रहा हूँ, पहले इसे पचाने दीजिए। हालांकि, उन्होंने यह स्वीकार किया कि जमीनी स्तर पर दोनों पार्टियों के कार्यकर्ताओं ने अच्छा समन्वय किया है।

ब्रीफ न्यूज़

भाई जगताप को कांग्रेस ने जारी किया नोटिस

मुंबई। मुंबई कांग्रेस में अंदरूनी खींचतान खुलकर सामने आ गई है। पार्टी के वरिष्ठ नेता और पूर्व मुंबई कांग्रेस अध्यक्ष भाई जगताप को कांग्रेस की ओर से शो-कॉज नोटिस जारी किया गया है। नोटिस में उनसे 7 दिनों के भीतर जवाब मांगा गया है। दरअसल, भाई जगताप ने हाल ही में मुंबई कांग्रेस की मौजूदा अध्यक्ष वर्षा गायकवाड़ से बीएमसी चुनाव में खराब प्रदर्शन की जिम्मेदारी लेते हुए इस्तीफा देने की मांग की थी। उन्होंने मीडिया के सामने पार्टी की मुंबई में कमजोर स्थिति के लिए सीधे तौर पर वर्षा गायकवाड़ को जिम्मेदार ठहराया था। इसी बयान को पार्टी अनुशासन के खिलाफ मानते हुए कांग्रेस नेतृत्व ने उन्हें कारण बताओ नोटिस भेजा है।

इंडिगो पर 22 करोड़ का जुर्माना

नई दिल्ली। डायरेक्टोरेट जनरल ऑफ सिविल एविएशन (DGCA) ने दिसंबर में बड़े पैमाने पर कैंसल हुई फ्लाइट्स के लिए इंडिगो एयरलाइन पर 22 .2 करोड़ का जुर्माना लगाया है। यह जानकारी शनिवार को रेगुलेटर ने एक बयान जारी करके दी। यह जुर्माना एयरलाइन रेगुलेटर द्वारा 3-5 दिसंबर के बीच बड़े पैमाने पर हुई गड़बड़ी की जांच के लिए चार सदस्यीय समिति गठित करने के एक महीने से ज्यादा समय बाद लगाया गया है। इंडिगो की 2,507 उड़ानें रद्द हुई थीं और 1,852 उड़ानों में देरी हुई थी।

जनवरी के अंत तक बन सकेंगे महापौर

लाटरी सिस्टम से होगा आरक्षण का निर्धारण

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

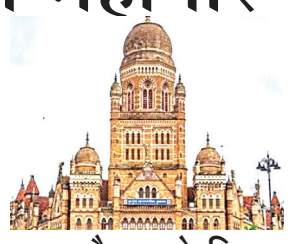

महाराष्ट्र में हाल ही में संपन्न हुए 29 नगर निगमों के चुनाव परिणामों के बाद अब सत्ता के गलियारों में हलचल तेज हो गई है। राज्य के नगर विकास विभाग के अनुसार, जनवरी के अंत या फरवरी के पहले सप्ताह तक सभी निगमों को अपने नए महापौर (मेयर) मिल जाएंगे। महाराष्ट्र के नगर विकास विभाग ने स्पष्ट किया है कि राज्य के सभी 29 नगर निगमों में महापौर चुनने की प्रक्रिया जनवरी के अंत या फरवरी 2026 के पहले सप्ताह तक पूरी कर ली जाएगी। चुनाव प्रक्रिया संपन्न होने के बाद अब प्रशासन का पूरा ध्यान महापौर पद के आवंटन पर है। विभाग के सूत्रों के अनुसार, अगले सप्ताह तक आरक्षण की स्थिति स्पष्ट होते ही चुनावी अधिसूचना जारी कर दी जाएगी।

महापौर पद के लिए आरक्षण की प्रक्रिया

महापौर पद के लिए आरक्षण की प्रक्रिया इस बार 'लॉटरी पद्धति' से तय होगी। यह प्रक्रिया इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि इससे यह स्पष्ट होगा कि किस नगर निगम का महापौर पद किस वर्ग (जैसे- अनुसूचित जाति, जनजाति, ओबीसी या महिला) के लिए आरक्षित होगा। आरक्षण घोषित होने के 10 दिनों के भीतर सभी राजनीतिक दलों के लिए महापौर का चुनाव कराना अनिवार्य होगा।

13 नगर निगमों में भाजपा का स्पष्ट वर्चस्व

चुनाव परिणामों के आंकड़ों के अनुसार, भाजपा ने 29 में से 13 नगर निगमों में अपने दम पर स्पष्ट बहुमत हासिल कर लिया है। इन निगमों में इचलकरंजी, पुणे, धुले, पिंपरी-चिंचवाड़, नवी मुंबई, पनवेल, उल्हासनगर, मीरा-भायंदर, नासिक, नागपुर, नांदेड़, सांगली और जालना शामिल हैं। इन शहरों में भाजपा का महापौर बनना लगभग तय है।

कांग्रेस ने घुसपैठियों से जमीन पर कब्जा कराया: पीएम मोदी

एजेंसी | गुवाहाटी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को असम में कहा कि कांग्रेस असम को अपना नहीं मानती। आजादी के बाद असम के सामने कई चुनौतियां थीं। कांग्रेस ने समस्या का समाधान नहीं निकाला। जब जरूरत अपने लोगों के जख्म भरने, उनकी सेवा करने की थी तब कांग्रेस ने घुसपैठियों की सेवा की। ये घुसपैठिये कांग्रेस के कट्टर वोटर हैं। ये लोग जमीन पर कब्जा करते रहे, कांग्रेस उनकी मदद करती रही। हिमंता सरकार आज लाखों बीघा जमीन को घुसपैठियों से मुक्त करा रही है। एक समय यहां आए दिन रक्तपात होते थे, आज संस्कृति के रंग सज रहे हैं। पहले जहां, कर्फ्यू का सन्नाटा होता था।

पीएम मोदी गुवाहाटी

पहुंचे पीएम गुवाहाटी के सरुसजाई स्टेडियम में आयोजित 'बागुरुम्बा दोहोउ 2026' में शामिल हुए। यह बोडो समुदाय का पारंपरिक सांस्कृतिक कार्यक्रम है। इससे पहले एयरपोर्ट से स्टेडियम तक पीएम ने रोड शो निकाला। मोदी रविवार को कालियाबोर जाएंगे, यहां 6,957 करोड़ के काजीरंगा एलिवेटेड कॉरिडोर की आधारशिला रखेंगे।

वंदेमातरम होगी गणतंत्र दिवस की थीम

नई दिल्ली। 26 जनवरी को भारत 77वां गणतंत्र दिवस मनाने जा रहा है। इस बार मुख्य परेड की थीम वंदेमातरम् पर रखी गई है। परेड के दौरान कर्तव्य पथ पर 30 झांकियां निकलेंगी, जो 'स्वतंत्रता का मंत्र-वंदे मातरम, समृद्धि का मंत्र-आत्मनिर्भर भारत' थीम पर आधारित होंगी। कर्तव्य पथ पर एनक्लोजर के बैकग्राउंड में वंदेमातरम् की लाइन्स वाली पुरानी पेंटिंग बनाई जाएगी। मेन स्टेज पर

फूलों से वंदे मातरम् के रचयिता बंकिम चंद्र चटर्जी को श्रद्धांजलि दी जाएगी। इस बार गणतंत्र दिवस परेड के मुख्य अतिथि यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष एंटोनियो कोस्टा और यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन होंगे।

स्टार लिंक अनियमितता मामला › **लोकपाल में पेश हुई सीवीसी रिपोर्ट, कोई अनियमितता नहीं**

केंद्रीय मंत्री अश्वनी वैष्णव को सीवीसी ने दी क्लीनचिट

एजेंसी | नई दिल्ली

केंद्रीय सतर्कता आयोग (CVC) ने एलन मस्क की कंपनी स्पेस-एक्स/स्टारलिंक को भारत में लाइसेंस देने में कथित अनियमितता के आरोपों की जांच के बाद केंद्रीय मंत्री अश्वनी वैष्णव को पूरी तरह क्लीनचिट दे दी है। लोकपाल ने सीवीसी की इस विस्तृत रिपोर्ट को स्वीकार करते हुए मंत्री के खिलाफ जांच की मांग वाली याचिका का निपटारा कर दिया है। लोकपाल के अध्यक्ष जस्टिस ए.एम. खानविलकर की अध्यक्षता वाली छह सदस्यीय पीठ ने स्पष्ट किया कि मामले में आगे किसी भी जांच की आवश्यकता नहीं है।

भ्रष्टाचार के आरोप मात्र 'अनुमान' आधारित

लोकपाल की पीठ ने अपने आदेश में कहा कि स्टारलिंक कम्युनिकेशंस प्राइवेट लिमिटेड (SSCPL) को शर्तों में ढील देकर लाइसेंस देने के आरोप पूरी तरह से काल्पनिक और अनुमानों पर आधारित हैं। पीठ ने जोर देकर कहा कि शिकायतकर्ता द्वारा पेश किए गए आरोपों का कोई ठोस साक्ष्य नहीं मिला है। आयोग ने माना कि पूरी प्रक्रिया स्थापित नियमों के तहत की गई थी और इसमें किसी भी स्तर पर भ्रष्टाचार की बू नहीं मिली।

मंत्री की भूमिका पर सीवीसी का स्पष्टीकरण

सीवीसी की रिपोर्ट में एक महत्वपूर्ण तथ्य यह सामने आया कि जिस समय (6 जून 2025) स्टारलिंक को लाइसेंस प्रदान किया गया, उस समय अश्वनी वैष्णव दूरसंचार विभाग में किसी निर्णय लेने वाली भूमिका में नहीं थे। रिपोर्ट के अनुसार, उन्होंने 2024 के मध्य में ही इस पद को छोड़ दिया था। लोकपाल ने पाया कि शिकायत केवल सोशल मीडिया पोस्ट्स और कुछ ऑनलाइन लेखों के आधार पर की गई थी।

धर्मांतरण गिरोह पर शिकंजा

डीबीडी संवाददाता । मुंबई/नागपुर

उत्तर प्रदेश में चल रहे कथित अवैध धर्मांतरण रैकेट के खिलाफ कार्रवाई तेज हो गई है। नागपुर में तड़के संयुक्त ऑपरेशन के तहत स्वयंभू धर्मगुरु छांगुर बाबा के एक अहम सहयोगी को गिरफ्तार किया गया है। यह कार्रवाई महाराष्ट्र और उत्तर प्रदेश की एंटी टेररिज्म स्क्वॉड और स्थानीय पुलिस की संयुक्त टीम ने की। अधिकारियों के मुताबिक, यह गिरफ्तारी पूरे नेटवर्क को तोड़ने की दिशा में अहम मानी जा रही है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान इधु इस्लाम के रूप में हुई है। उसे शनिवार सुबह करीब 5 बजे नागपुर के आशी नगर इलाके से पकड़ा गया।

पुलिस के अनुसार, इधु इस्लाम छांगुर बाबा के नेटवर्क में फंड और लॉजिस्टिक व्यवस्था संभालने की अहम भूमिका निभाता था। उसके खिलाफ उत्तर प्रदेश में गंभीर मामले दर्ज हैं और लंबे समय से गिरफ्तारी वारंट लंबित था। संकरी गलियों वाले इलाके में कानून-व्यवस्था बिगड़े बिना बेहद सावधानी से यह ऑपरेशन किया गया।

नागपुर से छांगुर बाबा का करीबी गिरफ्तार

धर्मांतरण के जरिए 100 करोड़ रुपये से अधिक की रकम जुटाई

धर्मांतरण की इस पूरी कहानी में छांगुर का नाम केंद्र में है। जांच एजेंसियों के मुताबिक, उसने धर्मांतरण के जरिए 100 करोड़ रुपये से अधिक की रकम जुटाई। कभी बाइक से चलने वाला छांगुर बाद में लग्जरी गाड़ियों का शौकीन बन गया। आरोप है कि वह धर्म परिवर्तन कराकर इस्लामिक संगठनों में अपनी पैठ मजबूत कर रहा था। उसकी गैंग के सदस्य अब तक करीब 40 बार इस्लामिक देशों की यात्रा कर चुके हैं, जिससे अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क और फंडिंग के संकेत मिलते हैं।

छांगुर बाबा का नेटवर्क कैसे काम करता था?

जांच एजेंसियों का आरोप है कि छांगुर बाबा ने संगठित तरीके से धर्मांतरण का नेटवर्क खड़ा किया था। यह गिरोह खास तौर पर गरीब मजदूरों, विधवाओं और सामाजिक रूप से कमजोर लोगों को निशाना बनाता था। आरोप है कि लोगों को आर्थिक लालच, झूठे वादों और शादी के प्रस्तावों के जरिए गुमराह कर धर्म परिवर्तन के लिए मजबूर किया जाता था। पुलिस का कहना है कि बाबा के नागपुर में भी पुराने संपर्क थे, जिसके बाद उसने उत्तर प्रदेश में अपना आधार मजबूत किया। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक, इधु इस्लाम बीते दो साल से गिरफ्तारी से बच रहा था। पुख्ता खुफिया जानकारी मिलने के बाद उसे पकड़ा गया। छांगुर बाबा को इससे पहले उत्तर प्रदेश के बलरामपुर जिले के माधपुर गांव से गिरफ्तार किया जा चुका है। उसके खिलाफ राज्य के खिलाफ युद्ध छेड़ने, सामाजिक वैमनस्य फैलाने, धोखाधड़ी और ठगी जैसे गंभीर आरोप दर्ज हैं। अधिकारियों का कहना है कि इस गिरफ्तारी के बाद नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों तक पहुंचने में मदद मिलेगी और आने वाले दिनों में और गिरफ्तारियां संभव हैं।

जांच में कौन-कौन सी एजेंसियां जुटी हैं?

उत्तर प्रदेश एटीएस इस मामले की मुख्य जांच कर रही है। प्रवर्तन निदेशालय धन शोधन के एंगल से जांच कर रहा है। मामला लखनऊ के गोमतीनगर थाने में दर्ज है। भारतीय न्याय संहिता की गंभीर धाराएं लगाई गई हैं। उत्तर प्रदेश अवैध धर्मांतरण निषेध कानून के तहत कार्रवाई हो रही है।

ठाणे में ऐतिहासिक रहा भाजपा का 'स्ट्राइक रेट'

75% स्ट्राइक रेट के साथ भाजपा ठाणे की राजनीति में एक शक्तिशाली शक्ति बनी

डीबीडी संवाददाता । ठाणे

ठाणे नगर निगम चुनाव 2026 में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के शानदार प्रदर्शन के बाद पार्टी के वरिष्ठ नेताओं ने अपनी रणनीति और भविष्य की योजनाओं को साझा किया है। 75% स्ट्राइक रेट के साथ भाजपा ठाणे की राजनीति में एक शक्तिशाली शक्ति बनकर उभरी है। विधायक संजय केलकर ने जानकारी दी कि ठाणे नगर निगम चुनाव में भाजपा ने शिवसेना (शिंदे गुट) के साथ गठबंधन के तहत केवल 39 सीटों पर चुनाव लड़ा था। इनमें से पार्टी ने 28 सीटों पर जीत दर्ज की, जो 75% का एक असाधारण स्ट्राइक रेट है। केलकर के अनुसार, पूरे महाराष्ट्र में भाजपा की ऐसी 'सुनामी' आई है कि पिछले 40 वर्षों में पार्टी को इतनी बड़ी सफलता और वोट शेयर कभी नहीं मिला। इस चुनाव की सबसे बड़ी उपलब्धि यह रही कि भाजपा ने दो राजनीतिक दलों के अध्यक्षों को पटखनी दी है। विधायक केलकर ने कहा कि इस जीत ने ऐसी स्थिति पैदा कर दी है कि अब सदन में विपक्ष नाममात्र का रह जाएगा। उन्होंने विश्वास जताया कि वोट शेयर में हुई इस भारी वृद्धि के कारण भाजपा भविष्य में राजनीति के क्षेत्र में और भी बड़ी छलांग लगाने के लिए तैयार है। विधायक केलकर ने एक महत्वपूर्ण बयान देते हुए कहा कि 'हम साथ लड़े थे, इसलिए हमें साथ रहना है।' हालांकि, उन्होंने यह भी जोड़ा कि पार्टी को भविष्य में एक ऐसी ताकत (Force) के रूप में विकसित होने की जरूरत है जो समय आने पर स्वतंत्र रूप से सोचने और निर्णय लेने में सक्षम हो।

संकल्पों को पूरा करने का भरोसा

प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान विधायकों और जिला अध्यक्ष ने ठाणे की जनता और मीडिया का आभार व्यक्त किया। विधायक डावखरे ने आश्वस्त किया कि भाजपा अपने 'संकल्प पत्र' में किए गए हर वादे को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है। ठाणे के 17 वार्डों की 39 सीटों पर जिस तरह से पार्टी ने प्रदर्शन किया है, उससे कार्यकर्ताओं में भारी उत्साह है और अब पार्टी का पूरा ध्यान शहर के विकास और आगामी योजनाओं पर केंद्रित है।

नए चेहरों और जमीनी कार्यकर्ताओं को तरजीह

चुनाव प्रभारी विधायक निरंजन डावखरे ने बताया कि ठाणे के हर विधानसभा क्षेत्र में 'कमल' खिला है। पार्टी ने संगठन स्तर पर साहस दिखाते हुए पांच मंडल अध्यक्षों और तीन पूर्व मंडल अध्यक्षों सहित कुल आठ नए लोगों को टिकट दिया। इसके अलावा, विशाल वाघ जैसे समर्पित कार्यकर्ताओं के परिवार को भी मौका दिया गया। 2017 में भाजपा की स्थिति के मुकाबले इस बार नए चेहरों की जीत को संगठन की बड़ी कामयाबी माना जा रहा है।

मुंब्रा-शील और कलवा में भाजपा का उदय

ठाणे जिला अध्यक्ष संदीप लेले ने बताया कि भाजपा ने उन क्षेत्रों में भी अपनी पैठ बना ली है जहाँ वह पहले कमजोर थी। पहली बार 'शील' (वार्ड 29) में भाजपा का उम्मीदवार चुना गया है। आंकड़ों के अनुसार, ठाणे शहर विधानसभा में भाजपा की सीटें 18 से बढ़कर 21 हो गई हैं, जबकि ओवला-मजीवाड़ा में यह संख्या 1 से बढ़कर 4 हो गई है।

भिवंडी मनपा चुनाव

परिणाम आने के बाद कई जगहों पर तोड़फोड़ व पथराव

डीबीडी संवाददाता । भिवंडी

भिवंडी मनपा चुनाव के नतीजे आने के बाद शहर के कई इलाकों में जश्न के बजाय तनाव और हिंसा का माहौल बन गया। चुनावी रंजिश और पुरानी प्रतिद्वंद्विता के चलते कई जगहों पर समर्थकों के बीच झड़पें हुईं, जिनमें पथराव और तोड़फोड़ की घटनाएं घटीं। इस स्थिति के कारण आम नागरिकों में दहशत व्याप्त है और शहर में शांति व्यवस्था बनाए रखना पुलिस के लिए बड़ी चुनौती बन गया है।

कई नगरसेवक सहित 35 नामजद व 200 अज्ञात आरोपियों पर केस दर्ज

कार्यालयों में तोड़फोड़ और क्रॉस शिकायतें

हिंसा की दूसरी घटना भी लकड़ा मार्केट क्षेत्र में ही हुई, जहाँ मोटरसाइकिलों पर आए हमलावरों ने एक कार्यालय में घुसकर तोड़फोड़ की। कुर्सियों और फर्नीचर को नुकसान पहुँचाया गया और पथराव किया गया। पुलिस ने इस मामले में 'क्रॉस शिकायत' दर्ज की है, जिसका मतलब है कि दोनों पक्षों ने एक-दूसरे के खिलाफ मामला दर्ज कराया है। पुलिस अब सीसीटीवी फुटेज के जरिए वास्तविक हमलावरों की पहचान कर रही है।

श्रीरंग नगर में मारपीट और राजनीतिक रंजिश

चुनावी समर्थन को लेकर श्रीरंग नगर इलाके में भी मारपीट की घटना दर्ज की गई है। राजेश चेरीयाल की शिकायत के अनुसार, आरोपियों ने उन्हें गाली-गलौज की और शारीरिक रूप से चोट पहुँचाई। पुलिस ने इस मामले में मनोज ठाकुर, श्रीकांत दासी और राजेश शेट्टी सहित कई अज्ञात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। चुनाव के बाद शुरू हुई यह रंजिश अब मोहल्लों और गलियों तक पहुँच गई है।

लकड़ा मार्केट: चुनावी चर्चा बनी खूनी संघर्ष

16 जनवरी की शाम को कल्याण रोड स्थित लकड़ा मार्केट इलाके में दो गुटों के बीच हिंसक झड़प हुई। शिकायत के अनुसार, एस.एस.के. फैब्रिकेशन दुकान के पास आरोपियों ने लाठी-डंडों और हथियारों से हमला किया। इस दौरान न केवल दुकान में तोड़फोड़ की गई, बल्कि जान से मारने की धमकियां भी दी गईं। इस हमले में कई लोग घायल हुए हैं, जिसके बाद पुलिस ने निहाल खान और इमरान खान सहित 16 नामजद लोगों पर केस दर्ज किया है।

महिला प्रत्याशी के पति पर हमला और अभद्रता

न्यू कनेरी के मार्कण्डेय नगर में एक गंभीर मामला सामने आया है, जहाँ राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (अजित पवार गुट) से चुनाव लड़ने वाली एक महिला उम्मीदवार के परिवार को निशाना बनाया गया। महिला के पति श्रीनिवास वैगंल ने आरोप लगाया कि उनकी पत्नी के चुनाव लड़ने से नाराज कुछ लोगों ने उनके साथ मारपीट की और अभद्र व्यवहार किया। इस मामले में मनोज ठाकुर और रतन सिंह जैसे स्थानीय नेताओं के खिलाफ जान से मारने की धमकी देने का मामला दर्ज किया गया है।

भिवंडी मनपा में 'किंगमेकर' बनी शरद पवार की राकांपा

डीबीडी संवाददाता । भिवंडी

भिवंडी महानगरपालिका चुनाव के नतीजों ने शहर की सियासत को बेहद रोमांचक मोड़ पर ला खड़ा किया है। इस बार के चुनाव में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद चंद्र पवार) पहली बार 12 सीटें जीतकर 'किंगमेकर' की भूमिका में उभरकर सामने आई है। वर्तमान आंकड़ों के खेल में राकांपा (शरद) के पास वह चाबी है, जिससे भाजपा या कांग्रेस में से किसी का भी मेयर पद का सपना पूरा हो सकता है। किसी भी दल के पास स्पष्ट बहुमत न होने के कारण अब गठबंधन और मोल-तोल का दौर शुरू हो चुका है।

मेयर पद के लिए शुरू हुई सियासी जोड़-तोड़

बहुमत का जादुई आंकड़ा और कांग्रेस की चुनौती

भिवंडी मनपा में मेयर बनने के लिए 46 नगरसेवकों के समर्थन की आवश्यकता है। वर्तमान में कांग्रेस 30 सीटों के साथ सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है। कांग्रेस की रणनीति साफ है—यदि वह राकांपा (शरद) के 12 पार्षदों को अपने साथ मिला लेती है, तो यह संख्या 42 तक पहुँच जाएगी। ऐसी स्थिति में उसे केवल 4 और पार्षदों की आवश्यकता होगी, जो उसे 'कोणार्क विकास आघाड़ी' के समर्थन से मिल सकते हैं। यदि यह गठबंधन सफल रहा, तो कांग्रेस आसानी से अपना मेयर बना लेगी।

शरद पवार का रुख होगा निर्णायक

भिवंडी की राजनीति का ऊँट किस करवट बैठेगा, इसका फैसला अंततः शरद पवार के हाथों में है। राकांपा (शरद) के 12 नगरसेवक किसके साथ जाएंगे, यह राज्य स्तर के महाविकास अघाड़ी के समीकरणों पर निर्भर करेगा। यदि राज्य स्तर पर गठबंधन धर्म निभाया गया, तो कांग्रेस का रास्ता आसान होगा, लेकिन स्थानीय समीकरण और आपसी संबंध अक्सर बड़े गठबंधनों पर भारी पड़ जाते हैं।

गुप्त मुलाकातों का दौर जारी

फिलहाल भिवंडी में दावतों और गुप्त मुलाकातों का दौर जारी है। सुमित पाटिल और नारायण चौधरी जैसे चेहरे भाजपा की ओर से सक्रिय हैं, तो कांग्रेस अपने 30 पार्षदों को एकजुट रखने की चुनौती से जूझ रही है। मेयर पद की इस 'म्यूजिकल चेयर' में बाजी किसके हाथ लगेगी, यह आने वाले कुछ दिनों में स्पष्ट हो जाएगा। देखना यह है कि क्या इस बार भी कोई बड़ी बगावत होगी या लोकतांत्रिक तरीके से गठबंधन की सरकार बनेगी।

कोणार्क विकास आघाड़ी: छोटा पैकेट, बड़ा धमाका

इस पूरे सियासी ड्रामे में मात्र 4 सीटों वाली 'कोणार्क विकास आघाड़ी' को कम आंकना एक बड़ी भूल साबित हो सकती है। इतिहास गवाह है कि इस आघाड़ी ने पिछले चुनाव में महज 6 नगरसेवकों के दम पर मेयर की कुर्सी हासिल की थी। उस समय कांग्रेस के पास 47 सीटें होने के बावजूद कोणार्क ने कांग्रेस के 18 पार्षदों की बगावत के सहारे अपना मेयर बनाया था। इस बार भी यह आघाड़ी सपा के 6 पार्षदों और राकांपा-कांग्रेस के असंतुष्टों को साथ लेकर नया खेल खेलने की क्षमता रखती है।

नारायण चौधरी का 'क्रॉस-पार्टी' संपर्क

भाजपा के नारायण चौधरी की दावेदारी इसलिए भी मजबूत मानी जा रही है क्योंकि उनके संबंध पार्टी लाइन से हटकर सपा विधायक रईस शेख और सांसद सुरेश म्हात्रे उर्फ बाल्या मामा से भी काफी अच्छे हैं। राजनीति के जानकारों का मानना है कि यदि भाजपा नारायण चौधरी को मैदान में उतारती है, तो वे शरद पवार गुट के 12 नगरसेवकों का समर्थन हासिल करने में सफल हो सकते हैं। यदि ऐसा होता है, तो भाजपा गठबंधन बहुमत के आंकड़े को पार कर सत्ता पर काबिज हो सकता है।

समाजवादी पार्टी और अन्य की भूमिका

समाजवादी पार्टी के पास 6 नगरसेवक हैं, जो इस त्रिकोणीय संघर्ष में निर्णायक भूमिका निभा सकते हैं। सपा विधायक रईस शेख की रणनीति क्या होगी, इस पर सबकी निगाहें टिकी हैं। क्या वे कांग्रेस के साथ जाएंगे या भाजपा के उम्मीदवार के व्यक्तिगत संबंधों के आधार पर पर्दे के पीछे से कोई समझौता करेंगे, यह अभी स्पष्ट नहीं है। भिवंडी की जनता अब यह देख रही है कि 'धर्मनिरपेक्षता' और 'विकास' के नारों के बीच कौन सा गठबंधन आकार लेता है।

महायुति का दांव और सुमित पाटिल की दावेदारी

दूसरी ओर, भाजपा और शिवसेना (शिंदे) गठबंधन यानी महायुति ने कुल 34 सीटें (भाजपा 22, शिवसेना 12) हासिल की हैं। महायुति को सत्ता तक पहुँचने के लिए अभी भी 12 और नगरसेवकों की दरकार है। भाजपा की ओर से पूर्व केंद्रीय मंत्री कपिल पाटिल के भतीजे सुमित पाटिल और साफ-सुथरी छवि वाले नारायण चौधरी महापौर पद के प्रबल दावेदार माने जा रहे हैं। भाजपा नेताओं के संबंध अन्य दलों के पार्षदों से भी बेहतर हैं, जिसके दम पर वे राकांपा (शरद) को अपने पाले में खींचने की कोशिश कर रहे हैं।

फ्लाईओवर के निर्माण कार्य के चलते रविवार को भारी वाहनों पर प्रतिबंध

डीबीडी संवाददाता । ठाणे

घोड़बंदर के गायमुख चौपाटी इलाके में फ्लाईओवर के निर्माण के लिए खंभों पर पूर्वनिर्मित लोहे के फ्रेम लगाए जाएंगे। इस कार्य के कारण इलाके में यातायात जाम से बचने के लिए ठाणे यातायात पुलिस ने भारी वाहनों के आवागमन पर प्रतिबंध लगाने का निर्णय लिया है। इस निर्णय के अनुसार, रविवार को सुबह 7 बजे से दोपहर 1 बजे तक घोड़बंदर रोड पर भारी वाहनों का आवागमन प्रतिबंधित रहेगा। चूंकि इस यातायात को वैकल्पिक मार्गों से डायवर्ट किया जाएगा, इसलिए इन मार्गों पर जाम लगने की संभावना है।

ठाणे मनपा चुनाव: 'नोटा' को 1.20 लाख वोट

30 हजार मतदाताओं ने प्रत्याशियों को किया खारिज

डीबीडी संवाददाता । ठाणे

उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के निर्वाचन क्षेत्र में निर्विरोध उम्मीदवार चुने जाने को लेकर सुर्खियों में रहे ठाणे महानगरपालिका चुनाव में 'नोटा' (इनमें से कोई नहीं) को कुल 1 लाख 20 हजार वोट मिले। चार सदस्यीय प्रभाग प्रणाली के तहत एक मतदाता को चार वोट देने का अधिकार था, जिसके चलते करीब 30 हजार ठाणेकरों ने नोटा का विकल्प चुनते हुए उम्मीदवारों को नकार दिया। आंकड़ों के अनुसार, नोटा को सबसे अधिक समर्थन घोड़बंदर क्षेत्र के प्रभाग क्रमांक-2 में मिला, जबकि सबसे कम वोट मुंब्रा के किसननगर-पड़वलनगर स्थित प्रभाग क्रमांक-18 में दर्ज हुए।

घटा मतदान प्रतिशत

ठाणे मनपा चुनाव में कुल 16.49 लाख मतदाताओं में से 9 लाख 17 हजार 123 लोगों ने मतदान किया, जिसमें 4 लाख 83 हजार 698 पुरुष, 4 लाख 33 हजार 385 महिलाएं और 40 अन्य मतदाता शामिल थे। इस तरह कुल मतदान प्रतिशत 55.59 रहा, जो पिछले चुनाव के 58.8 प्रतिशत से कम है। मतदान आंकड़ों से यह भी सामने आया कि कुल मतदाताओं में से करीब 30 हजार लोगों ने 1.20 लाख वोट नोटा को दिए। प्रभाग क्रमांक-2 में नोटा को 6,077 वोट मिले, जबकि प्रभाग क्रमांक-18 में केवल 834 मतदाताओं ने नोटा का विकल्प चुना।

कुल मतदाता, उम्मीदवार और चुनावी नतीजे

इस बार ठाणे महानगरपालिका क्षेत्र में कुल 16 लाख 49 हजार 869 मतदाता थे, जिनमें 8 लाख 63 हजार 878 पुरुष, 7 लाख 85 हजार 830 महिलाएं और 159 अन्य मतदाता शामिल थे। चुनाव के लिए 9 प्रभागों में 11 निर्वाचन अधिकारियों के कार्यालय स्थापित किए गए थे। कुल 649 उम्मीदवार चुनाव मैदान में उतरे, जिनमें से शिवसेना (शिंदे गुट) के 7 उम्मीदवार निर्विरोध चुने गए। शेष 125 सीटों के लिए 643 उम्मीदवारों के बीच मुकाबला हुआ। चुनाव परिणामों में शिवसेना (शिंदे गुट) के 75, भाजपा के 28, राष्ट्रवादी (शरद पवार) के 12, राष्ट्रवादी (अजित पवार) के 9, एमआईएम के 5, शिवसेना (उद्धव गुट) के 1 और 1 निर्दलीय सहित कुल 131 नगरसेवक निर्वाचित हुए।

डीज़ल चोरी के लिए बिना रजिस्ट्रेशन वाली कार का इस्तेमाल

डीबीडी संवाददाता । ठाणे

चुनाव सुरक्षा के लिए पुलिस पेट्रोलिंग में उपयोग की जा रही एसटी विभाग की दो बसों से डीज़ल चोरी का मामला सामने आया है। चुनाव आयोग द्वारा उपलब्ध कराई गई इन बसों से कुल 300 लीटर डीज़ल चोरी हुआ है, जिसमें प्रत्येक बस से 150-150 लीटर डीज़ल निकाला गया। इस संबंध में कलवा पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया है और पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।

चुनाव के लिए इस्तेमाल होने वाले एसटी डीज़ल चोरी गैंग के खिलाफ मामला दर्ज

डीज़ल की गंध से खुला राज, आरोपी फरार

17 दिसंबर की तड़के करीब 3 बजे किरण जवारे की नींद खुली, तो उन्हें डीज़ल की तेज गंध आई। बाहर निकलकर देखने पर उन्होंने पाया कि चार लोग दोनों बसों के टैंकों से डीज़ल निकाल रहे थे। जवारे को देखते ही आरोपी बिना नंबर प्लेट वाली एक फोर-व्हीलर और एक टू-व्हीलर से मौके से फरार हो गए। इसके बाद योगेश माली को घटना की जानकारी दी गई। शिकायत के अनुसार, चोर 300 लीटर डीज़ल, जिसकी कीमत करीब 27 हजार रुपये बताई गई है, चोरी कर ले गए। पुलिस आरोपियों की तलाश में जुटी है और आगे की जांच जारी है।

रात में खड़ी बसों को बनाया निशाना

पुलिस के अनुसार, धुले निवासी योगेश माली, जो परिवहन विभाग के शहादा डिपो में ड्राइवर-कंडक्टर हैं, ने 16 जनवरी को शिकायत दर्ज कराई। माली एसटी बस क्रमांक MH 14 BT 2125 में चुनाव सुरक्षा के लिए मुलुंड से नंदुरबार जा रहे थे, जबकि उसी डिपो के किरण जवारे एसटी बस क्रमांक MH 20 BL 2306 लेकर साथ चल रहे थे। दोनों बसें रात करीब 11.30 बजे कलवा के खारेगांव टोल प्लाजा, पारसिकनगर के पास सड़क किनारे खड़ी की गई थीं और चालक-परिचालक बसों में ही सो गए थे।

मुंबई में 44 घंटे जलापूर्ति प्रभावित

20 से 22 जनवरी तक कई इलाकों में कटौती

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

मुंबई महानगर क्षेत्र विकास प्राधिकरण (एमएमआरडीए) के 'मेट्रो 7ए' प्रोजेक्ट के तहत अपर वैतरणा की 2,400 मिमी डायमीटर वाली पानी की मुख्य लाइन का एक हिस्सा मोड़ा गया है। के ईस्ट सेक्शन में इस लाइन को जोड़ने (क्रॉस कनेक्शन) का काम किया जाना है, जिसके चलते मुंबई के कई हिस्सों में जलापूर्ति बाधित होगी।

किन डिवीज़नों पर पड़ेगा असर

इस काम का असर जी नॉर्थ (दादर, प्रभादेवी, माहिम), के ईस्ट (अंधेरी पूर्व), एस (विक्रोली–भांडुप), एच ईस्ट (बांद्रा–कुर्ला कॉम्प्लेक्स) और एन (विक्रोली पश्चिम) डिवीजन के अंतर्गत आने वाले इलाकों पर पड़ेगा। बीएमसी ने इन क्षेत्रों के नागरिकों से पानी का संयमित उपयोग करने की अपील की है।

जी नॉर्थ डिवीज़न में स्थिति

जी नॉर्थ विभाग के धारावी, जैस्मीन मिल मार्ग, माटुंगा कामगार कॉलोनी, संत रोहिदास मार्ग, 60 फीट और 90 फीट रोड, एम.पी. नगर, धारावी लूप रोड, ए.के.जी. नगर सहित कई इलाकों में सुबह और शाम की जलापूर्ति कम दबाव से होगी। कुछ क्षेत्रों में तय समय पर आने वाला पानी भी प्रभावित रहेगा।

एस डिवीज़न में लो प्रेशर सप्लाई

एस डिवीज़न के अंतर्गत विक्रोली (वेस्ट), कांजुरमार्ग (वेस्ट) और भांडुप (वेस्ट) के सूर्य नगर, आंबेडकर चौक, एलबीएस मार्ग, सनसिटी, कोंकण नगर, समर्थ नगर, काजू टेकड़ी, टेंभीपाड़ा, शास्त्री नगर सहित कई इलाकों में कम दबाव से जलापूर्ति की जाएगी।

44 घंटे तक चलेगा काम, तय समय-सारणी

बीएमसी के अनुसार यह कार्य मंगलवार 20 जनवरी सुबह 9 बजे से गुरुवार 22 जनवरी सुबह 5 बजे तक चलेगा। कुल 44 घंटे के इस कार्यकाल में कुछ इलाकों में पानी पूरी तरह बंद रहेगा, जबकि कई जगहों पर कम दबाव से जलापूर्ति की जाएगी। नियमित जलापूर्ति के समय में भी बदलाव होगा।

के ईस्ट डिवीज़न में सबसे ज्यादा असर

के ईस्ट डिवीज़न के मुलगांव डोंगरी, एमआईडीसी रोड नंबर 1 से 23, कोंडिविता, माहेश्वरी नगर, उपाध्याय नगर, साल्वे नगर, भवानी नगर, दुर्गापाड़ा, मरोल, चकाला, जे.बी. नगर, बामनवाड़ा सहित कई इलाकों में पानी की सप्लाई पूरी तरह बंद रहेगी। इंटरनेशनल एयरपोर्ट और सिप्ज क्षेत्र में भी जलापूर्ति पूरी तरह ठप रहेगी, जबकि कुछ इलाकों में केवल कम दबाव से पानी मिलेगा।

एच ईस्ट और एन डिवीज़न की स्थिति

एच ईस्ट डिवीज़न के मोतीलाल नगर सहित पूरे बांद्रा–कुर्ला कॉम्प्लेक्स में लो प्रेशर वॉटर सप्लाई रहेगी। वहीं एन डिवीज़न के लोअर व अपर डिपो पाड़ा, सागर नगर, विक्रोली वेस्ट स्टेशन रोड, गोदरेज कॉम्प्लेक्स, आर सिटी मॉल, कल्पतरु कॉम्प्लेक्स, दामोदर पार्क सहित कई रिहायशी और व्यावसायिक क्षेत्रों में कम दबाव से पानी आएगा।

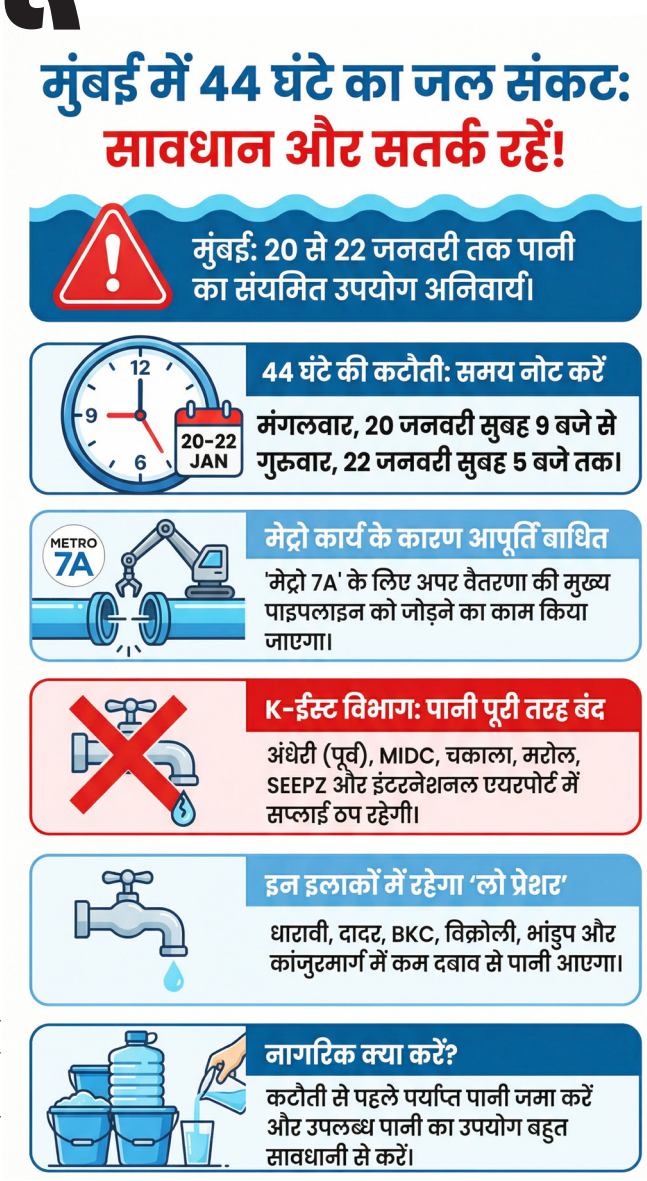

जोगेश्वरी की सात मंजिला इमारत में भीषण आग

हादसे में बुजुर्ग महिला की मौत

मुंबई। जोगेश्वरी (पश्चिम) स्थित ओशिवारा इलाके में शनिवार को एक रिहायशी इमारत में आग लगने से हड़कंप मच गया। लोखंडवाला परिसर में स्थित 'ब्रिज' नामक सात मंजिला इमारत की दूसरी मंजिल पर स्थित एक फ्लैट से अचानक धुंआ निकलने लगा, जो देखते ही देखते भीषण आग में तब्दील हो गया। मुंबई नगर निगम (BMC) के अनुसार, आग एक बंद फ्लैट में लगी थी, जिसके कारण शुरुआत में स्थिति का अंदाजा लगाना मुश्किल हो गया था।

दमकल विभाग की कार्रवाई और बचाव कार्य

घटना की जानकारी मिलते ही मुंबई फायर ब्रिगेड की गाड़ियाँ तुरंत मौके पर पहुँच गईं। दमकल कर्मियों ने तेजी से कार्रवाई करते हुए इमारत को खाली कराया और आग पर काबू पाने की कोशिश शुरू की। भारी मशक्कत के बाद दमकल कर्मियों ने दूसरी मंजिल पर लगी आग को बुझाया और इसे ऊपर की मंजिलों तक फैलने से रोका।

शॉर्ट सर्किट होने की आशंका

इस दुखद घटना में 73 वर्षीय बुजुर्ग महिला हीरू चेतलानी गंभीर रूप से घायल हो गईं। दमकल कर्मियों ने उन्हें सुरक्षित निकालकर तुरंत नजदीकी कूपर अस्पताल पहुँचाया। अस्पताल ले जाने के बाद डॉक्टरों ने उनकी जांच की, लेकिन दुर्भाग्यवश उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। शुरुआती जांच में आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट होने की आशंका जताई जा रही है, लेकिन पुलिस और दमकल विभाग अभी मामले की विस्तृत जांच कर रहे हैं।

बुजुर्ग से 40 लाख की ठगी

पार्सल में ड्रग्स और डिजिटल गिरफ्तारी की धमकी

मुंबई। मुलुंड इलाके में रहने वाले 70 वर्षीय बुजुर्ग को साइबर ठगों ने कूरियर में ड्रग्स मिलने और 'डिजिटल गिरफ्तारी' की धमकी देकर 40 लाख रुपये की ठगी का शिकार बना लिया। पीड़ित बुजुर्ग अकेले रहते हैं, जबकि उनके दोनों बेटे अमेरिका में हैं। दिसंबर में उन्हें एक फोन आया, जिसमें कॉलर ने खुद को एक निजी कूरियर कंपनी का प्रतिनिधि बताते हुए कहा कि उनके नाम और आधार कार्ड के विवरण पर भेजा गया एक पार्सल बैंकॉक में कस्टम अधिकारियों ने जब्त किया है।

साइबर सेल बनकर ठगी

इसके बाद एक अन्य व्यक्ति ने खुद को साइबर सेल अधिकारी बताकर कॉल किया और दावा किया कि पार्सल में ड्रग्स पाए गए हैं तथा मामला एक विधायक से जुड़ा हुआ है। इससे घबराए बुजुर्ग को ठगों ने 'डिजिटल गिरफ्तारी' की धमकी दी और उनसे बैंक संबंधी जानकारी हासिल कर ली। पुलिस के अनुसार, आरोपियों ने इसी जानकारी के जरिए अलग-अलग खातों में कुल 40 लाख रुपये ट्रांसफर करवा लिए। मामले की जांच जारी है और पुलिस ने लोगों से ऐसे कॉल से सतर्क रहने की अपील की है।

कैबिनेट बैठक में दोनों डीसीएम नदारद

फिर नाराजगी की अटकलें हुईं तेज

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

मुंबई महानगरपालिका समेत राज्य की 29 महापालिकाओं के चुनावी माहौल के शांत होते ही शनिवार को मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की अध्यक्षता में महायुति सरकार की अहम कैबिनेट बैठक हुई। बैठक में 10 महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए, लेकिन सबसे ज्यादा चर्चा उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और अजीत पवार की अनुपस्थिति को लेकर रही। दोनों दिग्गज नेताओं के बैठक में शामिल न होने से राजनीतिक गलियारों में नाराजगी और अंदरूनी खींचतान की अटकलें तेज हो गई हैं।

महापौर पद पर शिंदे गुट का दबाव

मुंबई महानगरपालिका चुनाव में भाजपा 89 सीटें जीतकर सबसे बड़ी पार्टी बनी है, लेकिन उसे अपने दम पर महापौर बनाने का बहुमत नहीं मिला। 29 सीटें जीतकर शिवसेना (शिंदे गुट) किंगमेकर की भूमिका में आ गई है। ऐसे में पहली बार मुंबई का महापौर बनाने के लिए भाजपा को शिंदे गुट के समर्थन पर निर्भर रहना पड़ रहा है। इसी राजनीतिक समीकरण को भांपते हुए शिंदे गुट ने महापौर पद के लिए ढाई-ढाई साल का फॉर्मूला सामने रखा है। राजनीतिक हलकों में यह भी चर्चा है कि इसी दबाव की रणनीति के तहत एकनाथ शिंदे ने कैबिनेट बैठक से दूरी बनाए रखी।

जिला परिषद-पंचायत चुनाव 'बैलेट पेपर' से कराने की मांग

नाना पटोले ने राज्य निर्वाचन आयुक्त और मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को लिखा पत्र

देवेंद्रनाथ जैस्वार । मुंबई

महाराष्ट्र में हाल ही में संपन्न हुए 29 महानगरपालिका चुनावों के बाद चुनाव प्रक्रिया की पारदर्शिता को लेकर एक नया विवाद खड़ा हो गया है। कांग्रेस के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष और विधायक नाना पटोले ने राज्य निर्वाचन आयोग की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठाते हुए मांग की है कि आगामी जिला परिषद और पंचायत समिति के चुनाव ईवीएम (EVM) के बजाय बैलेट पेपर पर कराए जाने चाहिए। उन्होंने इस संबंध में राज्य के मुख्य निर्वाचन आयुक्त और मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को एक पत्र लिखकर अपनी आपत्ति दर्ज कराई है।

EVM पर बढ़ता संदेह और जनभावना

नाना पटोले ने अपने पत्र में तर्क दिया है कि शहरी क्षेत्रों में कम मतदान प्रतिशत केवल मतदाताओं की उदासीनता नहीं, बल्कि चुनाव प्रक्रिया पर जनता के घटते विश्वास का संकेत है। उन्होंने सवाल उठाया कि जब देश के कई अन्य राज्यों ने स्थानीय निकायों के चुनाव बैलेट पेपर से कराने का निर्णय लिया है, तो महाराष्ट्र में ईवीएम पर इतना आग्रह क्यों किया जा रहा है? पटोले के अनुसार, मतदाता अब यह पूछ रहे हैं कि यह तकनीकी आग्रह आखिर किसके लाभ के लिए है।

VVPAT की अनुपस्थिति पर गंभीर आपत्ति

महानगरपालिका चुनावों का जिक्र करते हुए पटोले ने कहा कि चुनाव में वीवीपीएटी (VVPAT) प्रणाली का उपयोग न करना बेहद गंभीर विषय है। इसके कारण मतदाता अपने द्वारा दिए गए वोट की पुष्टि करने के अधिकार से वंचित रह गए। उन्होंने आरोप लगाया कि बिना वीवीपीएटी के चुनाव कराना लोकतंत्र की मूल भावना के खिलाफ है और इससे निर्वाचन आयोग की निष्पक्षता पर प्रश्नचिह्न खड़े होते हैं।

मतदाता सूची में गड़बड़ी और कुप्रबंधन

कांग्रेस नेता ने चुनाव आयोग की अक्षमता की ओर इशारा करते हुए कहा कि मतदाता सूचियों में भारी विसंगतियां पाई गई हैं। कई इलाकों में मतदाताओं को अपना पोलिंग बूथ खोजने के लिए घंटों भटकना पड़ा, जिसके कारण हजारों लोग बिना मतदान किए ही घर लौट गए।

स्याही की गुणवत्ता पर उठाए सवाल

आरोप लगाते हुए नाना पटोले ने बताया कि मतदान के बाद मतदाताओं की उंगली पर लगाई जाने वाली अमिट स्याही हाथ धोने मात्र से मिट रही थी। उन्होंने इस घटना को चुनाव प्रक्रिया की पारदर्शिता और विश्वसनीयता के साथ बड़ा खिलवाड़ बताया। पटोले के अनुसार, ऐसी छोटी लगने वाली कमियां यह दर्शाती हैं कि चुनाव कराने वाली मशीनरी पूरी तरह से विफल रही है।

पेमेंट में देरी, बिना एग्रीमेंट काम करने को मजबूर कलाकार

पूनम ढिल्लो ने टीवी इंडस्ट्री की कड़वी सच्चाई उजागर की

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

जर्नलिस्ट्स मीडिया एसोसिएशन महाराष्ट्र राज्य कमेटी के नववर्ष 2026 कैलेंडर लॉन्च के मौके पर सिंटा (CINTAA) की प्रेसिडेंट पूनम ढिल्लो ने टीवी इंडस्ट्री की कड़वी सच्चाई उजागर की। उन्होंने बताया कि आज भी टीवी कलाकारों को उनका मेहनताना 90 दिनों बाद मिलता है। हालात और भी खराब तब हो जाते हैं जब 1–2 दिन के कैरेक्टर रोल करने वाले कलाकारों से कई बार प्रोड्यूसर्स एग्रीमेंट तक नहीं कराते, जिससे उनका भुगतान या तो देर से होता है या कई मामलों में होता ही नहीं। ऐसे मामलों में सिंटा को हस्तक्षेप कर प्रोड्यूसर्स पर दबाव बनाना पड़ता है।

सुविधाएं घटीं, काम के घंटे बढ़े

पूनम ढिल्लों ने कहा कि पहले कैरेक्टर आर्टिस्टों को 500 रुपये कन्वेयंस दिया जाता था, लेकिन अब अधिकांश प्रोड्यूसर्स यह सुविधा देने से इनकार कर रहे हैं। शूटिंग शिफ्ट जो पहले 8 घंटे की होती थी, अब 12 घंटे कर दी गई है और कई बार 15–16 घंटे तक शूटिंग चलती है, इसके बावजूद अतिरिक्त समय का भुगतान नहीं किया जाता। लागत बचाने की दौड़ में शूटिंग के दौरान मिलने वाली बुनियादी सुविधाओं की गुणवत्ता भी लगातार गिरती जा रही है।

बड़े स्टार्स सुरक्षित, कैरेक्टर आर्टिस्ट उपेक्षित

उन्होंने स्पष्ट किया कि बड़े सितारों को इन समस्याओं का सामना नहीं करना पड़ता, क्योंकि प्रोड्यूसर्स की कमाई उन्हीं से जुड़ी होती है, जबकि इंडस्ट्री की असली रीढ़ माने जाने वाले कैरेक्टर आर्टिस्ट आज भी बुनियादी अधिकारों के लिए संघर्ष कर रहे हैं। इन मुद्दों को लेकर केंद्र और राज्य सरकार के मंत्रियों व अधिकारियों से कई बार मुलाकातें हुईं, लेकिन जमीनी स्तर पर ठोस अमल अब तक नहीं हो पाया है।

शिवसेना कॉरपोरेटर्स के लिए मुंबई में ट्रेनिंग कैंप

मुंबई। मुंबई महानगरपालिका चुनाव में जीत हासिल करने वाले शिवसेना के 29 नवनिर्वाचित कॉरपोरेटर्स के लिए मुंबई में विशेष ट्रेनिंग कैंप का आयोजन किया गया है। यह जानकारी युवा सेना के जनरल सेक्रेटरी और कॉरपोरेटर अमेय घोले ने दी। उन्होंने बताया कि इस कैंप के जरिए कॉरपोरेटर्स को मनपा की कार्यप्रणाली, विकास योजनाओं और अगले पांच वर्षों के रोडमैप की विस्तृत जानकारी दी जाएगी, ताकि वे प्रभावी ढंग से जनसेवा कर सकें। अमेय घोले के अनुसार, इस ट्रेनिंग कैंप में उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे स्वयं कॉरपोरेटर्स को मार्गदर्शन देंगे। साथ ही पार्टी के वरिष्ठ नेता वार्ड स्तर पर काम करने की रणनीति, प्रशासन से समन्वय और जनहित के मुद्दों को प्राथमिकता देने के तरीकों पर प्रशिक्षण देंगे। उद्देश्य यह है कि नवनिर्वाचित प्रतिनिधि शुरू से ही योजनाबद्ध और जवाबदेह तरीके से काम करें। यह ट्रेनिंग कैंप होटल ताज लैंड्स एंड में तीन दिनों तक चलेगा।

मध्य रेल

भुसावल मंडल

ई-निविदा सूचना संख्या:

मं. रे. प्र. (कार्य) भुसावल / 02 / 2026, दिनांक 15.01.2026

राष्ट्रपति की ओर से मण्डल रेल प्रबंधक (कार्य) मध्य रेल भुसावल द्वारा पंजीकृत निविदाकारों के लिए ई-निविदा निम्नलिखित कार्यों के लिए आमंत्रित किया जाता है- जो इस वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है/ देखें जा सकते है। **(1) कार्य का नाम**: (ई - निविदा संख्या DRM WBSL 02 2026t1) (संक्षिप्त नाम) अनुक्रम **(1) खंडवा** : घासपुरा कॉलोनी एवं चिड़िया मैदान कॉलोनी के आरसीसी टैंक तक फ़िल्टर हाउस से जल आपूर्ति लाइनों में सुधार तथा पीएफ नंबर 5 से पीएफ नंबर 1/2 तक डब्ल्यूआरपी जल आपूर्ति लाइन का विस्तार एवं आबना पंप हाउस, फ़िल्टर हाउस तथा पंप रूम नंबर-01 में पंप इंस्टॉलेशन की मरम्मत। (आईडी नं. 01.01.51.25.3.00.016). **(2) बुरहानपुर (BAU)**: बुरहानपुर में पुराने क्षतिग्रस्त जल टैंक के स्थान पर 1,40,000 लीटर क्षमता का आरसीसी हाई लेवल सर्विस टैंक (HS टैंक) का प्रतिस्थापन। (आईडी नं. 01.01.51.25.3.00.017). **(3) सीडीआई** : चांदनी में ईआई (पैनल) भवन का प्रावधान। (आईडी नं. 01.01.33.25.3.50.003). **अनुमानित लागत**: रु. 2,77,25,82,228. **बोली प्रतिभूति**: रु. 2,88,600/-. **(2) कार्य का नाम**: (ई-निविदा संख्या DRM W BSL 02 2026t5) (संक्षिप्त नाम) बीएसएल (सीजेड): भुसावल के सेंट्रल जोन क्षेत्र की कॉलोनियों में स्थित क्वार्टरों / बंगलों की मरम्मत कार्य। (राजस्व - 2025-26). **अनुमानित लागत**: रु. 1,46,30,965.86. **बोली प्रतिभूति**: रु. 2,23,200/-. **(3) कार्य का नाम**: (ई - निविदा संख्या DRM WBSL 02 2026t6) (संक्षिप्त नाम) लासलगांव (3 लिफ्ट), नांदगांव (3 लिफ्ट), नंदुरा (2 लिफ्ट), शेगांव (1 लिफ्ट), सावदा (2 लिफ्ट) एवं रावेर (2 लिफ्ट) में लिफ्टों का प्रावधान (पीआईडी 01.01.53.25.3.50.014). **अनुमानित लागत**: रु. 7,86,30,116.33. **बोली प्रतिभूति**: रु. 5,43,200/-. **(4)कार्य का नाम**: (ई - निविदा संख्या DRM WBSL 02 2026t7) (संक्षिप्त नाम) माहेजी बैलास्ट डिपो पर 65 मिमी गेज मशीन से क्रश्ड स्टोन बैलास्ट की आपूर्ति एवं स्टैकिंग तथा यांत्रिक साधनों द्वारा हॉपर / BOB' N वैगनों में लोडिंग मात्रा = 50,000 घन मीटर। **अनुमानित लागत**: रु. 4,60,47,592.50. **बोली प्रतिभूति**: रु.3,80,200/-. **(5) कार्य का नाम**: (ई-निविदा संख्या DRM WBSL 02 2026 t8) (संक्षिप्त नाम) एडीईएन एमएमआर सेक्शन के अंतर्गत ट्रैक के एलाइनमेंट में सुधार हेतु फ्रिज़्म GEDO ट्रॉली सर्वेक्षण। **अनुमानित लागत**: रु. 44,49,463.94. **बोली प्रतिभूति**: 89,000/-. **Notes: (i)** निविदा अनुक्रमांक 1 की अंतिम तिथि 03/02/2026 समय 15:00 Hrs. तक एवं निविदा अनुक्रमांक 2, 3, 5 की अंतिम तिथि 06/02/2026 समय 15:00 Hrs. तक एवं निविदा अनुक्रमांक 4 की अंतिम तिथि 05/02/2026 समय 15.00 Hrs. तक। **(ii)** संभावित निविदाकारों से अनुरोध है वे निविदाओं और शुद्धिपत्र, यदि कोई होतो अधिक जानकारी के लिए **www.irepsgov.in** वेबसाइट पर देख सकते है। **(iii)** निविदा सूचना मं. रे. प्र. (कार्य) कार्यालय, भुसावल के नोटिस बोर्ड पर भी लगाई गई है। **(IV)** निविदाकार उपर्युक्त ई-निविदा में केवल वेबसाइट **www.ireps.gov.in** के माध्यम से इलेक्ट्रॉनिक रूप से भाग ले सकते हैं और ई-निविदा के लिए मैन्युअल ऑफ़र प्रस्तुत करने की अनुमति नहीं है। यदि कोई मैन्युअल ऑफ़र प्रस्तुत किया जाता है तो उसे न तो खोला जाएगा और न ही उस पर विचार किया जाएगा। **(V)** निविदा दस्तावेज और EMD की लागत का भुगतान, IREPS पोर्टल पर उपलब्ध ऑनलाइन भुगतान प्रणाली जैसे कि नेट बैंकिंग, डेबिट/क्रेडिट कार्ड आदि से किया जा सकता है।

AK/BSL-12

टिकट के लिए UTS APP डाउनलोड करे

पश्चिम रेलवे

विभिन्न मरम्मत कार्य

वरिष्ठ मंडल अभियंता (दक्षिण), मुंबई सेंट्रल, मुंबई – 400008 द्वारा निम्नानुसार ई-टेंडर आमंत्रित किए जाते हैं।

क्र.	टेंडर नोटिस संख्या एवं दिनांक	कार्य एवं स्थान	कार्य की अनुमानित लागत (रु.)	EMD (रु.)
1	BCT/25-26/298 दिनांक 14.01.2026	चर्चगेट–विरार सेक्शन में मानसून 2026 हेतु पुलियों (Culverts) तथा पुलियों से जुड़े नालों की वार्षिक सफाई का कार्य, SSE (P. Way) दादर एवं अंधेरी सेक्शन के अधिकार क्षेत्र में।	15,41,522.88	30,800/-
2	BCT/25-26/299 दिनांक 14.01.2026	चर्चगेट–विरार सेक्शन में मानसून 2026 हेतु पुलियों (Culverts) तथा पुलियों से जुड़े नालों की वार्षिक सफाई का कार्य, SSE (P. Way) बोरीवली सेक्शन के अधिकार क्षेत्र में।	11,70,604.88	23,400/-
3	BCT/25-26/300 दिनांक 14.01.2026	चर्चगेट–विरार सेक्शन में मानसून के दौरान निम्न स्तर (Low Level) क्षेत्रों में ट्रैकों से पानी निकालने (डी-वॉटरिंग) का कार्य, डी.जी. पंपों द्वारा, वर्ष 2026 हेतु, SSE (P. Way) दादर, अंधेरी एवं बोरीवली सेक्शन के अंतर्गत।	1,63,53,600.00	2,31,800/-
4	BCT/25-26/301 दिनांक 14.01.2026	चर्चगेट–विरार सेक्शन में मानसून के दौरान निम्न स्तर क्षेत्रों में ट्रैकों से पानी निकालने (डी-वॉटरिंग) का कार्य, डी.जी. पंपों द्वारा, वर्ष 2026 हेतु, SSE (P. Way) भायंदर सेक्शन के अधिकार क्षेत्र में।	62,10,900.00	1,24,200/-
5	BCT/25-26/302 दिनांक 14.01.2026	चर्चगेट–विरार सेक्शन (मुंबई सेंट्रल) में वर्ष 2025-26 के लिए स्वीकृत ट्रैक कार्य के संबंध में 60 किग्रा 90 UTS एवं R-260 ग्रेड रेलों की इन-सिटू वेल्डिंग, तथा R-260 ग्रेड रेलों के वेल्डिंग हिस्से की आपूर्ति (पूर्वनिर्मित मोल्ड, ऑटोमैटिक टेपिंग थिम्बल एवं सिंगल-शॉट क्रूसिबल सहित), Sr. DEN (S), मुंबई सेंट्रल के अंतर्गत।	1,13,69,197.97	2,06,900/-

सभी उपरोक्त टेंडरों के लिए: प्रस्तुत करने की तिथि एवं समय: 10.02.2026 को 15:00 बजे तक खोलने की तिथि एवं समय: 10.02.2026 को 15:30 बजे अधिक जानकारी हेतु: कृपया हमारी वेबसाइट www.ireps.gov.in पर देखें।

1008

हमें लाइक करें: facebook.com/WesternRly | हमें फालो करें: X.com/WesternRly

संपादकीय

सरकार की नीयत बनाम सिस्टम की हकीकत

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पश्चिम बंगाल में भी प्रति परिवार 5 लाख रुपये तक के मुफ्त इलाज की घोषणा की। यह घोषणा केवल एक राज्य तक सीमित निर्णय नहीं है, बल्कि यह देश की स्वास्थ्य नीति की दिशा को रेखांकित करता है। आयुष्मान भारत–प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (PM-JAY) का उद्देश्य साफ है—गरीबी किसी नागरिक के इलाज में बाधा न बने। केंद्र सरकार की नीयत पर संदेह की गुंजाइश नहीं दिखती, क्योंकि यह योजना देश के करोड़ों गरीब और मध्यमवर्गीय परिवारों को स्वास्थ्य सुरक्षा का भरोसा देती है। लेकिन सवाल यह है कि जब नीयत साफ है, तो ज़मीन पर तस्वीर धुंधली क्यों है? महाराष्ट्र सहित कई राज्यों में आयुष्मान भारत योजना पहले से लागू है। महाराष्ट्र ने इसे राज्य की अपनी स्वास्थ्य योजनाओं के साथ जोड़कर लागू करने का प्रयास किया। कागजों पर यह मॉडल आकर्षक दिखता है—लाखों परिवार पंजीकृत हैं, हजारों अस्पताल सूचीबद्ध हैं और इलाज पूरी तरह कैशलेस बताया जाता है। लेकिन हकीकत में लाभार्थियों को बार-बार अस्पतालों और दफ्तरों के चक्कर लगाने पड़ते हैं। कई निजी अस्पताल आयुष्मान कार्ड होने के बावजूद मरीजों को भर्ती करने से कतराते हैं, तो कहीं "तकनीकी कारणों" का हवाला देकर इलाज टाल दिया जाता है। यही हाल दूसरे राज्यों में भी कमोबेश देखने को मिलता है। कहीं राज्य सरकार और केंद्र सरकार के बीच राजनीतिक खींचतान योजना के क्रियान्वयन में बाधा बनती है, तो कहीं प्रशासनिक उदासीनता। पश्चिम बंगाल में लंबे समय तक इस योजना को लेकर राजनीतिक मतभेद रहे। अब यदि वहां भी 5 लाख तक मुफ्त इलाज का रास्ता खुलता है, तो यह गरीब जनता के लिए राहत की खबर है। लेकिन केवल घोषणा से काम नहीं चलेगा—असली परीक्षा अमल की होगी। समस्या की जड़ अक्सर "बाबू तंत्र" में छिपी होती है। फाइलें अटकाना, नियमों की जटिल व्याख्या करना, अस्पतालों से अनावश्यक कागजात मांगना—ये सब सरकारी नीयत को कमजोर कर देते हैं। कई जगह दलाल सक्रिय हो जाते हैं, जो लाभार्थियों से "सेवा शुल्क" के नाम पर पैसा ऐंठते हैं। गरीब मरीज, जो मुफ्त इलाज की उम्मीद लेकर आता है, वही सबसे अधिक ठगा जाता है। यह स्थिति सरकार की मंशा नहीं, बल्कि सिस्टम की बदमासी का परिणाम है। इसके बावजूद यह भी सच है कि आयुष्मान भारत ने देश में स्वास्थ्य बीमा की सोच को बदला है। पहले जहां गंभीर बीमारी का मतलब कर्ज या जमीन बेचने की मजबूरी था, वहीं अब एक सुरक्षा कवच उपलब्ध है। कई राज्यों में ईमानदार अधिकारी और अस्पताल इस योजना को सही मायने में लागू भी कर रहे हैं। जहां निगरानी मजबूत है, वहां परिणाम बेहतर हैं। आवश्यकता इस बात की है कि केंद्र और राज्य सरकारें केवल योजना की घोषणा तक सीमित न रहें, बल्कि उसके क्रियान्वयन पर सख्त नजर रखें। शिकायत निवारण प्रणाली को प्रभावी बनाया जाए, अस्पतालों की मनमानी पर अंकुश लगे और भ्रष्टाचार के मामलों में त्वरित कार्रवाई हो। तकनीक का उपयोग पारदर्शिता बढ़ाने में किया जाए, ताकि बाबुओं और बिचौलियों की भूमिका न्यूनतम हो। प्रधानमंत्री की यह घोषणा एक सकारात्मक कदम है। यह सरकार की अच्छी नीयत का प्रतीक है। अब जिम्मेदारी प्रशासन की है कि वह इस नीयत को जमीन पर उतारे। यदि बाबू तंत्र की बदमासी पर लगाम लग गई, तो 5 लाख तक मुफ्त इलाज सिर्फ एक सरकारी योजना नहीं, बल्कि गरीब भारत के लिए जीवन रक्षक व्यवस्था बन सकती है।

लोकतंत्र की नई फसल

युवा सपने, डिजिटल दुविधा और मसीहावाद का संकट

रविकांत सिंह
युवा लेखक

भारत, जिसे विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र होने का गौरव प्राप्त है, आज एक ऐतिहासिक मोड़ पर खड़ा है। इस मोड़ का सबसे महत्वपूर्ण कारक यहां का 'डेमोग्राफिक डिविडेंड' यानी युवा आबादी है। जब हम आज की राजनीति को एक युवा की नजर से देखते हैं, तो हमें एक ऐसा परिदृश्य दिखाई देता है जहां परंपरा और तकनीक का संगम हो रहा है, लेकिन साथ ही कुछ ऐसे वैचारिक खतरे भी मंडरा रहे हैं जो लोकतंत्र की जड़ों को प्रभावित कर सकते हैं। भारत की 65 प्रतिशत जनसंख्या 35 वर्ष से कम आयु की है। यह मात्र एक सांख्यिकीय आंकड़ा नहीं है, बल्कि एक ऐसी ऊर्जा है जो राष्ट्र की दिशा बदलने का सामर्थ्य रखती है। इतिहास गवाह है कि जब-जब देश में व्यवस्था परिवर्तन की लहर उठी, उसका नेतृत्व युवाओं ने ही किया। 1974 का 'जेपी आंदोलन' इसका जीवंत उदाहरण है, जिसने तत्कालीन सत्ता को हिलाकर रख दिया था। इसी तरह 2011 का 'जनलोकपाल आंदोलन' युवाओं की उसी चेतना का परिणाम था, जिसने भ्रष्टाचार को एक राष्ट्रीय विमर्श बना दिया। आज का युवा यह भली-भांति समझता है कि राजनीति केवल सत्ता का खेल नहीं, बल्कि उसके जीवन की गुणवत्ता तय करने वाला एक अनिवार्य तंत्र है। एक समय था जब राजनीति को 'अभिजात्य वर्ग' या 'बुजुर्गों का क्षेत्र' माना जाता था। युवाओं को अक्सर राजनीति से दूर रहने की सलाह दी जाती थी। लेकिन डिजिटल और सोशल मीडिया क्रांति ने इस धारणा को आमूल-चूल बदल दिया है। आज का युवा तकनीकी रूप से सशक्त है। उसके पास सूचनाओं का भंडार है और वह वैश्विक स्तर पर हो रहे बदलावों से परिचित है। सोशल मीडिया ने राजनीति को ड्राइंग रूम की चर्चाओं से निकालकर युवाओं की हथेली पर पहुंचा दिया है। आज वे नीतियों का विश्लेषण कर रहे हैं, सरकार से सवाल पूछ रहे हैं और डिजिटल मंचों पर अपनी असहमति दर्ज करा रहे हैं। इससे लोकतंत्र में पारदर्शिता और जवाबदेही की एक नई संस्कृति विकसित हुई है। लेकिन, तकनीक का यह वरदान अपने साथ कुछ अनचाही चुनौतियां भी लाया है वर्तमान डिजिटल युग में, सोशल मीडिया एल्गोरिदम अक्सर 'इको चैंबर' (Echo Chamber) बनाते हैं। यहां युवाओं को वही सामग्री बार-बार दिखाई जाती है जो उनकी मौजूदा पसंद के अनुरूप हो। इसका परिणाम यह होता है कि वे किसी एक राजनेता या विचारधारा के प्रति इतने भावुक हो जाते हैं कि उनकी तर्कशक्ति क्षीण होने लगती है। जब राजनीति 'मुद्दों' से हटकर 'चेहरों' पर केंद्रित हो जाती है, तो लोकतंत्र खतरे में पड़ जाता है। व्यक्तित्व पूजा का अर्थ है—किसी नेता की बातों को बिना सोचे-समझे परम सत्य मान लेना और उसकी आलोचना को व्यक्तिगत अपमान समझना। यह प्रवृत्ति युवाओं को स्वतंत्र निर्णय लेने से रोकती है। इससे समाज में ध्रुवीकरण बढ़ता है और युवा एक-दूसरे के प्रति वैमनस्य पालने लगते हैं। एक स्वस्थ लोकतंत्र के लिए यह आवश्यक है कि युवा अपने नायक तो चुनें, लेकिन उनकी कमियों पर सवाल उठाने का साहस भी रखें। आज की राजनीति से युवा निम्नलिखित ठोस परिणाम चाहते हैं। शिक्षाः केवल डिग्रियों का अंबार नहीं, बल्कि ऐसी शिक्षा जो बाजार की मांग के अनुरूप हो। रोजगारः बेरोजगारी आज सबसे बड़ी चिंता है। युवा ऐसी नीतियों की मांग कर रहे हैं जो स्टार्टअप्स और उद्योगों के लिए अनुकूल माहौल तैयार करें। समानताः महिला सशक्तिकरण और लैंगिक समानता अब केवल नारे नहीं, बल्कि युवाओं के लिए अनिवार्य शर्त हैं। पर्यावरणः जलवायु परिवर्तन आज के युवाओं के लिए एक अस्तित्वगत मुद्दा है। आज का युवा चाहता है कि विकास की अंधी दौड़ में उनकी आने वाली पीढ़ियों का भविष्य दांव पर न लगे। राजनीति में युवाओं की सक्रिय भागीदारी ही लोकतंत्र को अधिक समावेशी और जीवंत बना सकती है। अक्सर यह देखा गया है कि राजनीतिक दल युवाओं को केवल 'वोट बैंक' या 'कार्यकर्ता' के रूप में इस्तेमाल करते हैं। लेकिन अब समय आ गया है कि युवाओं को नीति-निर्माण (Policy Making) की मुख्यधारा में लाया जाए। पंचायत से लेकर संसद तक, जब युवाओं की भागीदारी बढ़ेगी, तो शासन में नई ऊर्जा, आधुनिक दृष्टिकोण और भ्रष्टाचार के प्रति 'जीरो टॉलरेंस' की भावना आएगी। भारत की राजनीति का भविष्य इस बात पर निर्भर करेगा कि यहां का युवा कितनी ईमानदारी और तर्कशक्ति के साथ अपनी भूमिका निभाता है। 'मसीहावाद' के जाल से निकलकर जब युवा 'मुद्दों की राजनीति' की ओर कदम बढ़ाएगा, तभी भारत एक विकसित राष्ट्र बन पाएगा। एक सामाजिक कर्तव्य के रूप में, हमें युवाओं को राजनीति में शामिल होने के लिए प्रेरित करना चाहिए, लेकिन साथ ही उन्हें यह भी सिखाना चाहिए कि लोकतंत्र का अर्थ केवल बहुमत नहीं, बल्कि असहमति का सम्मान और निरंतर संवाद है। युवाओं की स्वतंत्र सोच ही वह मशाल है, जो भारतीय लोकतंत्र के भविष्य को आलोकित करेगी। यह समय युवाओं को केवल मत देने के लिए नहीं, बल्कि देश को एक नई दिशा देने के लिए तैयार करने का है।

जीवन मंत्र

मुस्कान: जीवन की सबसे सरल और प्रभावशाली शक्ति

कठिन समय में जब हालात अनुकूल नहीं होते, तब मुस्कान ही वह शक्ति होती है जो उम्मीद को जीवित रखती है। मुस्कान का प्रभाव केवल स्वयं तक सीमित नहीं रहता, यह सामने वाले के मन को भी छू लेती है।

मुस्कान मनुष्य के जीवन की सबसे सुंदर और सहज अभिव्यक्ति है। यह बिना किसी शब्द के भावनाओं को प्रकट कर देती है और मन के भीतर छिपे तनाव को धीरे-धीरे कम कर देती है। मुस्कान न तो धन की मोहताज होती है और न ही किसी विशेष अवसर की। यह हर परिस्थिति में मनुष्य को भीतर से मजबूत बनाती है। कठिन समय में जब हालात अनुकूल नहीं होते, तब मुस्कान ही वह शक्ति होती है जो उम्मीद को जीवित रखती है। मुस्कान का प्रभाव केवल स्वयं तक सीमित नहीं रहता, यह सामने वाले के मन को भी छू लेती है। परिवार, समाज या कार्यस्थल—हर जगह मुस्कान रिश्तों में गर्माहट लाती है। एक मुस्कराता हुआ चेहरा भरोसा पैदा करता है और संवाद को आसान बनाता है। कई बार मुस्कान ऐसी समस्याओं को सुलझा देती है, जिन्हें शब्द नहीं सुलझा पाते। इसी बात को एक छोटी-सी घटना समझाती है। एक विद्यालय में एक नया शिक्षक आया, जो हमेशा मुस्कुराता रहता था। उसकी कक्षा में कुछ बच्चे पढ़ाई से डरते थे और स्वयं को कमजोर समझते थे। शिक्षक रोज़ उन्हें मुस्कान के साथ देखता और कहता, "तुम कर सकते हो।" बच्चों को शुरू में यह साधारण लगा, लेकिन धीरे-धीरे उन्हें उस मुस्कान में छिपा विश्वास महसूस होने लगा। समय के साथ बच्चों का डर कम हुआ। वे प्रश्न पूछने लगे, मेहनत करने लगे और अपनी गलतियों से सीखने लगे। परीक्षा के परिणाम आए तो वही बच्चे अच्छे अंकों से सफल हुए। उन्होंने माना कि शिक्षक की मुस्कान ने उन्हें हार मानने से रोका और आगे बढ़ने की हिम्मत दी। यह अनुभव बताता है कि मुस्कान केवल चेहरे की सजावट नहीं, बल्कि मन की ताकत है। यह आत्मविश्वास जगाती है, निराशा को दूर करती है और जीवन को सकारात्मक दिशा देती है। सच तो यह है कि एक सच्ची मुस्कान कई बार किसी का पूरा जीवन बदल सकती है।

शख्सियत

इवान क्लेवेल

विज्ञान, राष्ट्र और भविष्य के लिए समर्पित जीवन

"विज्ञान का वास्तविक उद्देश्य शक्ति दिखाना नहीं, बल्कि मानव जीवन की रक्षा करना और भविष्य को अधिक सुरक्षित बनाना है।"

इवान क्लेवेल का जन्म 18 जनवरी को यूक्रेन में हुआ। वे उन वैज्ञानिक और इंजीनियरों में शामिल हैं, जिन्होंने अपने जीवन को रक्षा तकनीक और एयरोस्पेस अनुसंधान जैसे जटिल और संवेदनशील क्षेत्रों के लिए समर्पित किया। उनका जीवन केवल उपलब्धियों की कहानी नहीं है, बल्कि संघर्ष, धैर्य और निरंतर प्रयास का ऐसा उदाहरण है, जो युवा पीढ़ी को गहराई से प्रेरित करता है। इवान क्लेवेल का बचपन और प्रारंभिक जीवन सामान्य नहीं था। सीमित संसाधन, सामाजिक चुनौतियां और एक ऐसे देश में पले-बढ़े होने का अनुभव, जो ऐतिहासिक और राजनीतिक उतार-चढ़ाव से गुजर रहा था, उनके व्यक्तित्व को प्रारंभ से ही मजबूत बनाता गया। शिक्षा के प्रति उनकी रुचि सहज नहीं, बल्कि संघर्ष से उपजी थी। उन्हें जल्दी ही समझ में आ गया था कि ज्ञान ही वह साधन है, जो व्यक्ति को परिस्थितियों से ऊपर उठा सकता है। शैक्षणिक जीवन में इवान क्लेवेल को कई कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। तकनीकी शिक्षा के लिए आवश्यक संसाधन, आधुनिक प्रयोगशालाएं और शोध सुविधाएं सीमित थीं। कई बार उन्हें ऐसे विषयों पर काम करना पड़ा, जिनके लिए न तो पर्याप्त उपकरण उपलब्ध थे और न ही तत्काल प्रोत्साहन। लेकिन उन्होंने इन बाधाओं को कमजोरी नहीं बनने दिया। इसके विपरीत, उन्होंने सीमाओं के भीतर नवाचार करने की क्षमता विकसित की। रक्षा तकनीक और एयरोस्पेस जैसे क्षेत्रों में काम करना अपने आप में एक बड़ा संघर्ष है। यहां केवल तकनीकी दक्षता ही नहीं, बल्कि मानसिक दृढ़ता, गोपनीयता और नैतिक जिम्मेदारी भी आवश्यक होती है। इवान क्लेवेल के सामने कई बार ऐसे क्षण आए, जब उनके शोध कार्य पर दबाव, आलोचना या संदेह किया गया। कई परियोजनाएं अपेक्षित गति से आगे नहीं बढ़ सकीं, कुछ प्रयास असफल भी हुए। लेकिन उन्होंने असफलता को अंत नहीं, बल्कि सीख का माध्यम माना। उनका मानना रहा है कि संघर्ष वैज्ञानिक जीवन का अभिन्न हिस्सा है। प्रयोगों का विफल होना, गणनाओं का गलत साबित होना और योजनाओं का बार-बार संशोधित होना -ये सब विज्ञान की प्रक्रिया का हिस्सा हैं। इवान क्लेवेल ने इन्हीं संघर्षों के बीच यह सीखा कि धैर्य और निरंतरता ही किसी वैज्ञानिक की सबसे बड़ी शक्ति होती है। यूक्रेन जैसे देश के लिए, जहां सुरक्षा और आत्मनिर्भरता एक संवेदनशील विषय रहा है, इवान क्लेवेल का योगदान विशेष महत्व रखता है। उन्होंने विज्ञान को केवल व्यक्तिगत उपलब्धि का माध्यम नहीं बनाया, बल्कि उसे राष्ट्रहित से जोड़ा। उनके लिए रक्षा तकनीक का अर्थ आक्रामक शक्ति नहीं, बल्कि देश और नागरिकों की सुरक्षा रहा।

जीवन ऊर्जा

कार्ल लुई द सेकेंडेट, मॉन्टेस्क्यू : जन्म 18 जनवरी 1689

जन्म

न्याय वही है जो कानून और विवेक दोनों के अनुरूप हो

कार्ल लुई द सेकेंडेट, मॉन्टेस्क्यू का जन्म 18 जनवरी 1689 को फ्रांस के ला ब्रेदे में हुआ था। वे महान दार्शनिक, न्यायविद और राजनीतिक विचारक थे। आधुनिक लोकतंत्र की नींव माने जाने वाले सत्ता के पृथक्करण सिद्धांत (विधायी, कार्यकारी और न्यायपालिका) का प्रतिपादन उन्होंने किया। उनकी विश्वप्रसिद्ध कृति 'द स्पिरिट ऑफ लॉज़' ने संवैधानिक शासन और कानून के अध्ययन को नई दिशा दी।

10 फरवरी 1755 को पेरिस, फ्रांस में उनका निधन हुआ। स्वतंत्रता का अर्थ यह नहीं कि हम जो चाहें करें, बल्कि यह कि हम वह कर सकें जो कानून अनुमति देता है। जब विधायी और कार्यकारी शक्तियां एक ही व्यक्ति में आ जाती हैं, तब स्वतंत्रता समाप्त हो जाती है। शक्ति का स्वभाव है कि वह शक्ति का दुरुपयोग करे, जब तक उसे रोका न जाए। न्याय वही है जो कानून और विवेक दोनों के अनुरूप हो। लोकतंत्र में नागरिकों को सदाचार की सबसे अधिक आवश्यकता होती है। कानून समाज की आत्मा होते हैं। स्वतंत्रता का सबसे बड़ा शत्रु निरंकुश सत्ता है। भ्रष्ट शासन का सबसे बड़ा कारण शक्ति का केंद्रीकरण है। जहां भय शासन करता है, वहां नैतिकता मर जाती है। अत्यधिक समानता भी स्वतंत्रता के लिए खतरा बन सकती है। कानून का उद्देश्य मनुष्य को स्वतंत्र बनाना है, दास नहीं। जिस देश में कानून कमजोर होता है, वहां अत्याचार मजबूत होता है। न्याय के बिना राज्य केवल संगठित अन्याय बन जाता है। स्वतंत्र समाज वही है जहां सत्ता एक-दूसरे पर नियंत्रण रखे। धर्म को नैतिकता सिखानी चाहिए, हिंसा नहीं। जब नागरिक डर के बजाय कानून का सम्मान करें, तभी राज्य मजबूत होता है। स्वतंत्रता की रक्षा के लिए सत्ता का विभाजन आवश्यक है। अत्याचार हमेशा चुप्पी से जन्म लेता है। अच्छे कानून वही हैं जो समाज की प्रकृति के अनुरूप हों। निरंकुशता में कानून शासक की इच्छा बन जाता है। सत्ता जब अकेली होती है, तब वह सबसे अधिक खतरनाक होती है। स्वतंत्रता का मूल्य सतर्कता है। कानून को मनुष्य के स्वभाव को समझकर बनाया जाना चाहिए। जहां न्याय बिकता है, वहां सभ्यता हार जाती है। स्वतंत्रता का अर्थ अनुशासन का अभाव नहीं है। भय से चलने वाला शासन लंबे समय तक नहीं टिकता। कानून और नैतिकता का अलगाव समाज को खोखला कर देता है। शासन का उद्देश्य जनता की सेवा होना चाहिए, शासक की शक्ति नहीं। स्वतंत्रता वहीं सुरक्षित है जहां न्याय स्वतंत्र है। सत्ता को सीमित करना ही लोकतंत्र का मूल सिद्धांत है।

सर्वसिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ बिजाना शाजापुर मध्यप्रदेश

रामचरितमानस के रोचक तथ्य : आस्था, ज्ञान और कथा का संगम

रामचरितमानस केवल एक धार्मिक ग्रंथ नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति, दर्शन और लोकमानस का जीवंत दस्तावेज है। इसमें भगवान श्रीराम के आदर्श जीवन के साथ-साथ ऐसे असंख्य प्रसंग, पात्र और तथ्य हैं, जो इसे रोचक, ज्ञानवर्धक और स्मरणीय बनाते हैं। आइए, रामचरितमानस और रामायण से जुड़े कुछ महत्वपूर्ण और रोचक तथ्यों को एक प्रवाहपूर्ण लेख के रूप में समझें। हनुमान जी, जो भक्ति, बल और बुद्धि के प्रतीक माने जाते हैं, उनके पुत्र का नाम मकरध्वज था। मान्यता के अनुसार मकरध्वज की उत्पत्ति हनुमान जी के पसीने से हुई थी, जिसे एक मगर ने ग्रहण कर लिया। यही कारण है कि मकरध्वज का स्वरूप भी अद्भुत माना जाता है। परशुराम, जो विष्णु के छठे अवतार थे, वे जमदग्नि ऋषि के पुत्र थे। रामायण के अनुसार, वानर राज अंगद के पिता का नाम बालि था, जो अपने अद्वितीय बल के लिए प्रसिद्ध थे। कहा जाता है कि जामवन्त में इतना सामर्थ्य था कि वे 90 योजन समुद्र लांघ सकते थे। पक्षीराज जटायु के भाई का नाम सम्पाती था। शत्रुघ्न की माता सुमित्रा थीं, जो लक्ष्मण की भी माता थीं। देवताओं के राजा इन्द्र के पुत्र का नाम जयंत था। एक रोचक तथ्य यह भी है कि रावण और कुबेर सगे भाई थे, हालांकि दोनों के मार्ग और स्वभाव बिल्कुल अलग थे। भगवान श्रीराम के चरण स्पर्श से जो शिला स्त्री बनी, उनका नाम अहिल्या था, और उनके पति थे गौतम ऋषि। लक्ष्मण की पत्नी का नाम उर्मिला था, जो त्याग और धैर्य की प्रतिमूर्ति मानी जाती हैं। रामायण के अनुसार ब्रह्महत्या का पाप भगवान श्रीराम को लगा था, जिसे उन्होंने अपने आचरण और तप से शमन किया। संजीवनी बूटी का रहस्य वैद्य सुषेण ने बताया था। श्रीराम को दिया गया वनवास 14 वर्षों का था। युद्ध के दौरान लक्ष्मण जी को नागपाश से गरुड़जी ने मुक्त किया। इन्द्र के विमान का नाम पुष्पक था, जिसे रावण ने कुबेर से छीन लिया था। समुद्र मंथन से अनेक रत्न प्राप्त हुए, लेकिन स्यमंतक मणि उसमें से प्राप्त नहीं हुई थी। गर्भवती सीता जी ने महर्षि वाल्मीकि के आश्रम में आश्रय लिया था। रामायण के अनुसार हनुमान जी तीन बार लंका गए थे, और श्रीराम ने लंका में अपना दूत बनाकर अंगद को भेजा था। हनुमान जी सुरसा के पेट में प्रवेश कर पुनः बाहर आ गए थे। बालि की पत्नी का नाम तारा था। सम्पूर्ण रामायण में 645 सर्ग माने जाते हैं। राम और लक्ष्मण को आश्रमों की रक्षा के लिए वन में महर्षि विश्वामित्र ले गए थे। कैकेयी को राम को वनवास देने की प्रेरणा मन्थरा से मिली थी। मथुरापुरी की स्थापना शत्रुघ्न ने की थी। हनुमान जी ने अशोक वाटिका में सीता जी को शिंशपा वृक्ष के नीचे बैठा देखा था। मेघनाद का दूसरा नाम इन्द्रजित था। राम और हनुमान का प्रथम मिलन ऋष्यमूक पर्वत के पास हुआ था। हनुमान जी के पिता का नाम केसरी था और उनकी ठोड़ी पर वज्र से प्रहार इन्द्र ने किया था। शत्रुघ्न के पुत्र का नाम सुबाहु था। शरभंग ऋषि ने श्रीराम के सामने योगाग्नि से अपने शरीर को भस्म किया था। सम्पाती और जटायु के पिता का नाम अरुण था। राम को सुग्रीव से मित्रता की सलाह शबरी ने दी थी। मतंग ऋषि ने शबरी को आश्रय प्रदान किया था। दुंदुभी दैत्य का वध बालि ने किया था। लंका के राजा रावण की पुत्री का नाम अवली बताया गया है। श्रीराम की सेना में विश्वकर्मा के अंशावतार नल और नील थे। ब्रह्मा ने ब्रह्मशिर अस्त्र मेघनाद को प्रदान किया था। इन सभी तथ्यों से स्पष्ट होता है कि रामचरितमानस केवल कथा नहीं, बल्कि ज्ञान, प्रतीक और जीवन-मूल्यों का अथाह सागर है। जितना पढ़ो, उतना नया अर्थ सामने आता है — यही इसकी शाश्वत महिमा है।

पंडित कैलाशचंद्र शर्मा
वैदिक सनातन संस्कृति के प्रचारक व सर्व सिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ के संस्थापक।
मो. नं. 9425980556

अपने विचार

तृणमूल का सिंडिकेट कई सालों से यहां घुसपैठियों को बसाने और मतदाता बनाने का खेल खेल रहा है। घुसपैठिये कई लोगों का हक छीनते हैं, रोजगार छीनते हैं, बहनों-बेटियों पर अत्याचार करते हैं और आतंक जैसे अन्य अपराधों को बढ़ावा दे रहे हैं। घुसपैठियों और सत्ताधारी लोगों के इस गठजोड़ को तोड़ना ही होगा।

-नरेंद्र मोदी
प्रधानमंत्री

जनता ने उन ताकतों को सही जगह दिखा दी है, जिन्होंने उन्हें गाली दी, उनके घर को तोड़ा और महाराष्ट्र छोड़ने की धमकी दी।, 'मैं खुश हूं कि ऐसे लोग महाराष्ट्र से बाहर हो गए हैं। जनता जनार्दन ऐसे महिलाओं से नफरत करने वालों, गुंडों और नेपोटिज्म माफिया को उनकी सही जगह दिखा रही है।

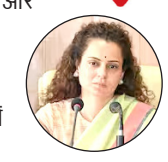

-कंगना रनौत
सांसद, भाजपा

अगर एकनाथ शिंदे शिवसेना के लिए जयचंद न होते, तो मुंबई में बीजेपी का महापौर न होता। मराठी लोग शिंदे को हमेशा जयचंद के रूप में याद रखेंगे।

-संजय राउत
नेता शिवसेना (यूबीटी)

शायद लोग रहमान को इसलिए साइन नहीं कर रहे क्योंकि उन्हें लगता है कि वह अब भारत में उपलब्ध ही नहीं हैं। लोगों को लग सकता है कि रहमान अब पश्चिम के प्रोजेक्ट्स और अपने इंटरनेशनल शोज में बहुत ज्यादा व्यस्त हो गए हैं।

-जावेद अख्तर
लेखक, गीतकार

अपने विचार

डीबीडी कार्यालय

ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं. 2, के.के. चैम्बर्स, पुरुषोत्तमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई- 400001

indiagroundreport@gmail.com

भेज सकते हैं।

यह अखबार "माध्यम कार्पोरेट सर्विसेज लि. " के लिए प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक अरुण लाल द्वारा ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं. 2, के. के. चैम्बर्स, पुरुषोत्तमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई- 400001 से प्रकाशित एवं सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, गाला नं. 4, एन.के.इंडस्ट्रियल इस्टेट, इनसाइड प्रवासी इंडिस्ट्रयल इस्टेट गेट नं. 2, गोरेगांव पू., मुंबई-63 से मुद्रित. फोन नं. 022-66555719 ईमेल : indiagroundreport@gmail.com कार्यकारी संपादक : अमित बृज (पी.आर.बी. अधिनियम के अंतर्गत खबरों के चयन के लिए ज्मिेदार).

ब्रीफ न्यूज़

के.एम.अग्रवाल महाविद्यालय में राष्ट्रीय संगोष्ठी एवं डॉ. पंडित के कथा-संग्रह का लोकार्पण

उल्हासनगर। उल्हासनगर के के.एम.अग्रवाल महाविद्यालय में 16-17 जनवरी 2026 को आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में डॉ. विजय नारायण पंडित के नवीनतम कहानी संग्रह ₹बड़े भाग मानुष तन पावा₹ का गरिमामय लोकार्पण संपन्न हुआ। प्रो. शीतला प्रसाद दुबे की अध्यक्षता और बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय के प्रो. मनोज सिंह के बीज वक्तव्य के साथ आयोजित इस संगोष्ठी में देश भर के विद्वानों ने शिरकत की। डॉ. पंडित की इस कृति को मानवीय संवेदनाओं और सामाजिक यथार्थ का सशक्त दर्पण बताते हुए विशेषज्ञों ने इसकी खूब सराहना की। इस अवसर पर डॉ. पंडित के कथा-संग्रह के साथ-साथ अमरकांत और पंडित विद्यानिवास मिश्र पर केंद्रित महत्वपूर्ण पुस्तकों का भी विमोचन किया गया। भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद की अंचल निदेशक श्रीमती रेनू पृथियानी की मुख्य आतिथ्य और डॉ. मनीष कुमार मिश्रा के कुशल संचालन में संपन्न हुए इस सफल आयोजन ने महाविद्यालय की अकादमिक प्रतिष्ठा को राष्ट्रीय स्तर पर नई ऊंचाइयां प्रदान की हैं।

2026 का पहला हृदय प्रत्यारोपण, बच्चे को मिली जिंदगी

मुंबई। मुंबई के कोकिलाबेन धीरूभाई अंबानी अस्पताल ने वर्ष 2026 का देश का पहला हृदय प्रत्यारोपण सफलतापूर्वक कर एक 10 वर्षीय बच्ची की जान बचाई है। बच्ची को गंभीर अवस्था में तेजी से बिगड़ती हृदय विफलता के साथ अस्पताल लाया गया था। कुछ सप्ताह पहले तक पूरी तरह स्वस्थ रही बच्ची में अचानक गंभीर लक्षण दिखाई दिए, जिसके बाद जांच में उसे डाइलेटेड कार्डियोमायोपैथी होने का पता चला। यह एक ऐसी स्थिति है जिसमें हृदय की मांसपेशियां कमजोर हो जाती हैं और रक्त पंप करने की क्षमता घट जाती है। आनुवंशिक जांच में इसके वंशानुगत कारण होने की संभावना सामने आई, जिससे बीमारी तेजी से बढ़ी। हालत बिगड़ने पर बच्ची को गोवा से एयर एंबुलेंस के जरिए उन्नत चिकित्सकीय निगरानी में मुंबई लाया गया। अस्पताल पहुंचने पर बच्चों के हृदय केंद्र में डॉ. प्रशांत बोभटे के नेतृत्व में बाल हृदय रोग विशेषज्ञों की टीम ने बच्ची का मूल्यांकन किया। गहन चिकित्सा के बावजूद स्थिति और बिगड़ गई, जिसके चलते उसे एक्स्ट्राकॉरपोरियल मेम्ब्रेन ऑक्सीजनशन (ईसीएमओ) पर रखा गया। बाद में दीर्घकालिक सहारे की आवश्यकता को देखते हुए हृदय प्रत्यारोपण तक के अंतराल में उसे लेफ्ट वेंट्रिकुलर असिस्ट डिवाइस (एलवीएडी) लगाया गया।

हर जिले में पैलेटिव देखभाल केंद्र खोलने की तैयारी

मुंबई। गंभीर और असाध्य दीर्घकालिक बीमारियों से जूझ रहे मरीजों के लिए राहत भरी पहल करते हुए राज्य स्वास्थ्य विभाग ने प्रत्येक जिले में उपशामक (पैलेटिव) देखभाल केंद्र स्थापित करने की योजना की घोषणा की है, जिसके लिए प्रस्ताव तैयार किया जा रहा है। इस योजना का उद्देश्य केवल इलाज तक सीमित न रहकर कैंसर, किडनी फेल्योर, हृदय रोग जैसी बीमारियों से पीड़ित मरीजों को दर्द निवारण, परामर्श, पोषण मार्गदर्शन और मनोवैज्ञानिक व भावनात्मक सहारा प्रदान करना है, ताकि वे सम्मानजनक और बेहतर जीवन जी सकें। इन केंद्रों में डॉक्टरों, नर्सों और परामर्शदाताओं की प्रशिक्षित टीमें होंगी, जबकि अस्पताल आने में असमर्थ मरीजों के लिए घर पर देखभाल की सुविधा भी दी जाएगी।

नेक्स्टजेन एससीएम समिट 2026

लॉजिस्टिक्स दिग्गजों का महाकुंभ

'नेक्स्टजेन इनोवेशन एरीना' का हुआ आगाज़

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

आर्थिक राजधानी मुंबई में 'नेक्स्टजेन एससीएम कनेक्ट' द्वारा आयोजित नेक्स्टजेन एससीएम समिट 2026 (पश्चिम भारत संस्करण) का भव्य समापन हुआ। मुंबई के द ऑर्किड होटल में आयोजित यह शिखर सम्मेलन भारत के तेजी से बदलते सप्लाई चेन और लॉजिस्टिक्स परिदृश्य के लिए एक प्रमुख वैचारिक मंच के रूप में उभरा। इस कार्यक्रम में न केवल उद्योग जगत के दिग्गज और नीति निर्माता शामिल हुए, बल्कि भावी पीढ़ी के युवा नवोन्मेषकों ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराई।

केंद्रीय मंत्री रामदास आठवले ने किया उद्घाटन

सम्मेलन का औपचारिक शुभारंभ भारत सरकार के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता राज्य मंत्री रामदास आठवले द्वारा किया गया। उन्होंने इस अवसर पर नेक्स्टजेन एससीएम कनेक्ट की आधिकारिक वेबसाइट भी लॉन्च की। बीएमसी चुनाव के व्यस्त माहौल के बीच कार्यक्रम में पहुंचे मंत्री महोदय ने अपने चिरपरिचित मजाकिया अंदाज में कविता पढ़ते हुए कहा, ₹मैं हो गया थोड़ा लेट क्योंकि करना था बीएमसी को सेट₹, जिसे सुनकर सभागार तालियों से गूँज उठा। उन्होंने लॉजिस्टिक्स क्षेत्र में तकनीक और समावेशी विकास के महत्व पर जोर दिया। समिट का मुख्य आकर्षण 'डी2सी और ई-कॉमर्स ब्रांड्स – विजन 2030' विषय पर आयोजित विशेष सीएक्सओ राउंडटेबल रही। इस सत्र में अमेज़न शिपिंग, रिलायंस, वाडीलाल और जेएसडब्ल्यू जैसी दिग्गज कंपनियों के नेतृत्वकर्ताओं ने हिस्सा लिया। विशेषज्ञों ने चर्चा की कि कैसे डिजिटलीकरण, एआई-संचालित भविष्यवाणियां और परिचालन क्षमता भारत को वैश्विक सप्लाई चेन का केंद्र बना सकती हैं। चर्चा का केंद्र बिंदु बिज़नेस मॉडल को 'भविष्य के लिए तैयार' (Future Ready) बनाना रहा।

देश की पहली 'नेक्स्टजेन इनोवेशन एरीना'

नेक्स्टजेन एससीएम कनेक्ट ने इस समिट के माध्यम से एक ऐतिहासिक पहल करते हुए ₹नेक्स्टजेन इनोवेशन एरीना₹ की शुरुआत की। यह भारत का पहला ऐसा समर्पित मंच है जो सप्लाई चेन के क्षेत्र में युवा छात्र नवोन्मेषकों को प्रोत्साहित करता है। इस पहल के तहत आईआईएम मुंबई और आईआईएम बेंगलुरु के प्रतिभाशाली छात्रों को उनके क्रांतिकारी नवाचारों के लिए पुरस्कार प्रदान किए गए। साथ ही एसपी जैन और सिम्बायोसिस जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों के छात्रों ने भी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

उद्योग दिग्गजों का सम्मान और सलाहकार बोर्ड

समारोह के दौरान आपूर्ति श्रृंखला उद्योग में उत्कृष्ट योगदान देने वाले पेशेवरों को सम्मानित किया गया। इसी के साथ नेक्स्टजेन एससीएम कनेक्ट के सलाहकार बोर्ड की भी घोषणा की गई। इस बोर्ड में डॉ. प्रमोद संत, डॉ. राकेश सिन्हा, डॉ. अजय सिंह, श्री प्रसाद शिधये और श्री अरुण सालवी जैसे अनुभवी नाम शामिल हैं। इन दिग्गजों की देखरेख में यह मंच उद्योग और शिक्षा जगत के बीच की दूरी को पाटने का काम करेगा।

प्रमुख कंपनियों और संगठनों की भागीदारी

इस समिट को उद्योग जगत का व्यापक समर्थन मिला। रिलायंस ग्रुप, जेएसडब्ल्यू, अमेज़न फ्रेट, फिटसोल और शांतनु ट्रांसपोर्ट ऑर्गेनाइजेशन जैसी बड़ी कंपनियों ने सक्रिय रूप से भाग लिया। इसके अतिरिक्त, AMTOI (असोसिएशन ऑफ मल्टीमॉडल ट्रांसपोर्ट ऑपरेटर्स ऑफ इंडिया), ASPA और लॉजिस्टिक्स स्किल काउंसिल (LSC) जैसे संगठनों ने इस आयोजन को मजबूती प्रदान की, जिससे यह पश्चिम भारत का सबसे प्रभावी लॉजिस्टिक्स सम्मेलन बन गया।सम्मेलन के दौरान 'सस्टेनेबिलिटी' (स्थिरता) और 'ग्रीन लॉजिस्टिक्स' पर भी गहन विचार-विमर्श हुआ। विशेषज्ञों ने साझा किया कि 2030 तक भारत की भूमिका न केवल निर्माण में बल्कि एक टिकाऊ और कुशल वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला बनाए रखने में भी महत्वपूर्ण होगी। नवाचार और रोबोटिक्स के माध्यम से वेयरहाउसिंग को और अधिक आधुनिक बनाने पर सभी पैनलिस्टों ने सहमति जताई।

नेक्स्टजेन एससीएम कनेक्ट का उद्देश्य

समिट के निदेशक अतुल अजीत तिवारी और संजय पाल ने स्पष्ट किया कि 'नेक्स्टजेन एससीएम कनेक्ट' का लक्ष्य भारत का सबसे प्रभावशाली सप्लाई चेन कम्युनिटी बनाना है। यह मंच केवल नेटवर्किंग तक सीमित नहीं है, बल्कि यह उद्योग, नीति निर्माताओं और युवा प्रतिभाओं को एक साथ लाकर एक ऐसा इकोसिस्टम तैयार कर रहा है जो भारत को 'लॉजिस्टिक्स पावरहाउस' बनाने के सपने को साकार करेगा।

'पुणे-पिंपरी की जनता ने अजित दादा को नहीं नकारा'

लोगों ने भाजपा के नेतृत्व को चुना: फडणवीस

पुणे। पुणे और पिंपरी-चिंचवड़ में भाजपा की बड़ी जीत के बाद मुख्यमंत्री फडणवीस ने साफ कहा कि जनता ने उपमुख्यमंत्री अजित पवार को खारिज नहीं किया है, बल्कि प्रधानमंत्री मोदी और भाजपा के नेतृत्व पर भरोसा जताया है। फडणवीस ने इसे जनादेश नहीं, बल्कि जनता की जिम्मेदारी भी बताया। पुणे में पत्रकारों से बातचीत में जब फडणवीस से पूछा गया कि अब पुणे का 'दादा' कौन है, तो उन्होंने कहा कि पुणे के लोग ही असली दादा हैं और हम सब उनके सेवक हैं। उन्होंने कहा कि इस जीत को किसी व्यक्ति की हार के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए। यह जनादेश भाजपा के विकास और सुशासन के एजेंडे के समर्थन में है। फडणवीस ने पुणे और पिंपरी-चिंचवड़ के मतदाताओं का आभार जताते हुए कहा कि वह इस भरोसे के लिए कृतज्ञ हैं।

नतीजों के पीछे क्या कारण रहे?

फडणवीस के मुताबिक जनता ने भाजपा के विकास मॉडल पर भरोसा जताया। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व को निर्णायक समर्थन मिला। विपक्षी दलों की आपसी एकता भी भाजपा को रोक नहीं सकी। चुनाव प्रचार के दौरान लगाए गए आरोपों को जनता ने नकार दिया। शहरी मतदाता ने स्थिर सरकार और स्पष्ट नीति को प्राथमिकता दी।

जनादेश ने सभी अटकलों पर विराम लगा दिया

फडणवीस ने कहा कि इस जनादेश ने सभी अटकलों और अफवाहों पर विराम लगा दिया है। उन्होंने माना कि नतीजे कई लोगों की उम्मीदों से कहीं आगे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह जीत खुशी के साथ-साथ बड़ी जिम्मेदारी भी लेकर आई है। मेयर चुने जाने के तुरंत बाद विकास के वादों को जमीन पर उतारा जाएगा। उन्होंने यह भी बताया कि अजित पवार ने मतदान के दिन ही कैबिनेट बैठक में शामिल न होने की जानकारी दे दी थी। पुणे और पिंपरी-चिंचवड़ चुनावों में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के दोनों गुटों अजित पवार और शरद पवार ने मिलकर चुनाव लड़ा था। इसके बावजूद भाजपा ने पुणे नगर निगम की 165 में से 119 सीटें जीतकर बड़ा उलटफेर किया। अजित पवार गुट को 27 सीटों पर संतोष करना पड़ा, जबकि एनसीपी (एसपी) को सिर्फ तीन सीटें मिलीं। कांग्रेस को 15 सीटें मिलीं। पिंपरी-चिंचवड़ में भी भाजपा ने 128 में से 84 सीटें जीतकर स्पष्ट बहुमत हासिल किया।

जगद्गुरु रामानंदाचार्य नरेंद्राचार्य का हुआ शानदार स्वागत

कच्चे बांधारे संकल्पपूर्ति समारोह उत्साह के साथ हुआ संपन्न

ठाणे। 17 जनवरी को ठाणे के टिपटॉप होटल में जगद्गुरु रामानंदाचार्य दक्षिणपीठ, श्रीक्षेत्र नानीजाधाम पीठ के पीठाधीश्वर जगद्गुरु रामानंदाचार्य नरेंद्राचार्य के आगमन पर भव्य स्वागत समारोह आयोजित किया गया। इसी अवसर पर कच्चे बांधारे संकल्पपूर्ति समारोह भी पूरे उत्साह और श्रद्धा के साथ संपन्न हुआ। इस कार्यक्रम में महाराष्ट्र के मृदा एवं जल संरक्षण मंत्री एवं यवतमाल जिले के संरक्षक मंत्री संजय राठौड़, अमृता देवेंद्र फडणवीस सहित राज्यभर के अनेक पीठ प्रमुख और गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

4,598 कच्चे बांधारे और सामाजिक अभियानों की उपलब्धि

कार्यक्रम में बताया गया कि मात्र 15 दिनों की अवधि में संस्थान द्वारा पूरे महाराष्ट्र में 4,598 कच्चे बांधारों का निर्माण किया गया, जिसका संकल्प प.पू. रामानंदाचार्य नरेंद्राचार्य की उपस्थिति में भव्य रूप से पूर्ण हुआ। मीडिया से संवाद में उन्होंने विज्ञान, व्यवसाय और अध्यात्म के समन्वय पर अपने विचार रखते हुए कहा कि धार्मिक दायित्वों के तहत हिंदू समाज के लिए निरंतर कार्य किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि अब तक 1,53,343 परिवारों की 'घर वापसी' कराई जा चुकी है।

शिक्षा, रक्तदान और सामाजिक सरोकार

रामानंदाचार्य नरेंद्राचार्य ने बताया कि फाउंडेशन हर वर्ष 15 दिनों का महारक्तदान शिविर आयोजित करता है, जिसमें पिछले वर्ष 1,36,270 ब्लड सेल्स एकत्र किए गए। उन्होंने धर्म की रक्षा के लिए इंग्लिश शिक्षा को आवश्यक बताते हुए स्पष्ट किया कि इसका अर्थ मराठी भाषा का विरोध नहीं है। इसी उद्देश्य से श्रीक्षेत्र नानीजाधाम में समाज के गरीब बच्चों को मुफ्त और गुणवत्तापूर्ण इंग्लिश मीडियम शिक्षा दी जा रही है। समारोह के दौरान बड़ी संख्या में प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक और डिजिटल मीडिया के प्रतिनिधि मौजूद रहे।

मध्य रेल महाप्रबंधक का मनमाड-भुसावल खंड पर 'मेगा निरीक्षण'

सुरक्षा और यात्री सुविधाओं पर दिया जोर

भुसावल। मध्य रेल के महाप्रबंधक विवेक कुमार गुप्ता ने शनिवार को भुसावल मंडल के अंतर्गत मनमाड-भुसावल खंड का व्यापक संरक्षा निरीक्षण किया। इस निरीक्षण का मुख्य उद्देश्य रेल परिचालन की सुरक्षा सुनिश्चित करना, बुनियादी ढांचे के विकास की समीक्षा करना और 'अमृत भारत स्टेशन योजना' के कार्यों की प्रगति का जायजा लेना था। महाप्रबंधक के साथ भुसावल मंडल के रेल प्रबंधक (DRM) पुनीत अग्रवाल और मुख्यालय के वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद रहे।

बुनियादी ढांचे और पुलों की मजबूती की जांच

निरीक्षण के दौरान ट्रैक और पुलों की सुरक्षा पर विशेष ध्यान दिया गया। महाप्रबंधक ने पिंपेरखेड़ में ट्रैक्शन सब-स्टेशन, हिरापुर में लॉन्ग वेल्डेड रेल और नगरदेवला-गालन खंड पर स्थित तितूर गर्डर ब्रिज का संरचनात्मक निरीक्षण किया। उन्होंने इंजीनियरिंग विभाग के कर्मचारियों (ट्रैकमैन) से संवाद किया और उनके कार्यों की समीक्षा की।

नांदगांव में तकनीकी नवाचारों का शुभारंभ

निरीक्षण की शुरुआत नांदगांव स्टेशन से हुई, जहाँ महाप्रबंधक ने स्टेशन भवन, पैनल रूम और यात्री सुविधाओं का बारीकी से अवलोकन किया। उन्होंने संरक्षा विभाग द्वारा तैयार 'आपदा प्रबंधन पुस्तिका' और कार्मिक विभाग की 'वरिष्ठता संकलन पुस्तिका' सहित कई महत्वपूर्ण नियमावलियों का विमोचन किया। इसके अलावा, उन्होंने 'निवारण' ऐप और 'शंटर सेफ्टी' ऐप जैसे डिजिटल उपकरणों का भी उद्घाटन किया, जो रेल परिचालन को अधिक सुरक्षित और पारदर्शी बनाएंगे।

पाचोरा और भुसावल में सुविधाओं का विस्तार

पाचोरा स्टेशन पर महाप्रबंधक ने रेलवे स्वास्थ्य इकाई और रेलवे कॉलोनी का दौरा किया। यहाँ उन्होंने इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग सिस्टम की कार्यप्रणाली को परखा। भुसावल पहुँचने पर उन्होंने रूटीन ओवरहॉलिंग शेड और ओएचई (OHE) डिपो में 2x25 केवी मॉडल का उद्घाटन किया। रेल कर्मचारियों के कल्याण की दिशा में कदम उठाते हुए उन्होंने भुसावल रेलवे कॉलोनी और अधिकारियों के लिए नवनिर्मित विश्राम गृह का भी लोकार्पण किया।

'अमृत भारत स्टेशन' कार्यों की समीक्षा

महाप्रबंधक ने नांदगांव और पाचोरा स्टेशनों पर 'अमृत भारत स्टेशन योजना' के तहत चल रहे पुनर्विकास कार्यों का निरीक्षण किया। उन्होंने अधिकारियों को कड़े निर्देश दिए कि यात्री सुविधाओं से जुड़े कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर तय समय सीमा के भीतर पूरा किया जाए। उन्होंने कहा कि आधुनिक स्टेशनों का निर्माण भारतीय रेल की नई पहचान है और इसमें गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं होना चाहिए।

12 राशिफल में देखें अपना दिन

राशिफल
प्रियंका जैन

मेष किसी लंबे मनोरंजक प्रवास का कार्यक्रम बन सकता है। आंखों का विशेष ध्यान रखें। चोट व रोग से बचें। सुख के साधन जुटेंगे। दांपत्य जीवन सुखद रहेगा। सरकारी कामकाज में अनुकूलता रहेगी। स्थिति नियंत्रण में रहेगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे।

वृष कोई पुराना रोग परेशानी का कारण बन सकता है। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में लापरवाही न करें। शारीरिक हानि की आशंका बनती है। किसी व्यक्ति के व्यवहार से दिल को ठेस पहुंच सकती है। क्रोध व उत्तेजना पर नियंत्रण रखें। आय में निश्चितता रहेगी, धैर्य रखें।

मिथुन गृहस्थ जीवन में आनंद का वातावरण रहेगा। जीवनसाथी को भेंट व उपहार देना पड़ सकता है। किसी अनहोनी की आशंका रह सकती है। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। लापरवाही न करें। कोर्ट व कचहरी तथा सरकारी कामों में अनुकूलता रहेगी।

कर्क आर्थिक वृद्धि के लिए नई योजना बनेगी। तत्काल लाभ नहीं होगा। किसी सामाजिक कार्यक्रम में भाग लेने का अवसर प्राप्त हो सकता है। मान-सम्मान मिलेगा। कार्यकारी नए अनुबंध हो सकते हैं। उत्साह व प्रसन्नता से कार्य कर पाएंगे। शारीरिक शिथिलता रहेगी।

सिंह पहले किसी व्यक्ति को दिए गए कर्ज की वसूली हो सकती है। व्यावसायिक प्रवास सफल रहेगा। धन प्राप्ति सुगम होगी। घर-परिवार की चिंता बनी रहेगी। कोई नई समस्या आ सकती है। शारीरिक कष्ट भी आशंका है, लापरवाही न करें। नौकरी में चैन रहेगा।

कन्या जीवनसाथी के स्वास्थ्य संबंधी चिंता बनी रहेगी। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। किसी बड़ी समस्या से छुटकारा मिल सकता है। व्यावसायिक प्रवास हो सकता है। काम में अनुकूलता रहेगी। भेंट व उपहार की प्राप्ति हो सकती है। पार्टनरों से सहयोग मिलेगा।

तुला रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। कार्य के प्रति उत्साह रहेगा। जल्दबाजी न करें। भूमि व भवन इत्यादि की खरीद-फरोख्त की योजना सफल रहेगी। बड़ा लाभ हो सकता है। प्रमाद न करें। कुबुद्धि हावी रह सकती है इसलिए कोई भी निर्णय सोम-समझकर करें।

वृश्चिक कोई बड़ा खर्च अचानक सामने आ सकता है। व्यवस्था में मुश्किल होगी। चिंता तथा तनाव रहेंगे। गुस्से पर काबू रखें। मित्रों का सहयोग प्राप्त होगा। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। धनहानि की आशंका बन सकती है। व्यापार ठीक चलेगा।

धनु पहले किए गए प्रयास का लाभ अब मिलेगा। समय पर कर्ज चुका पाएंगे। प्रतिस्पर्धियों पर विजय प्राप्त होगी। व्यापार-व्यवसाय मनोनुकूल लाभ देंगे। निवेश शुभ फल देगा। नौकरी में कार्य की प्रशंसा होगी। भाग्य का साथ मिलेगा।

मकर कामकाज में अधिक ध्यान देगा पड़ेगा। दूर से दुःखद समाचार मिल सकता है। भागदौड़ रहेगी। समय पर काम नहीं होने से तनाव रहेगा। गुस्से पर काबू रखें। व्यापार-व्यवसाय में उतार-चढ़ाव रहेगा। नौकरी में अधिकारी अधिक की अपेक्षा करेंगे।

कुंभ आय में सुगमता रहेगी। घर में मेहमानों का आगमन होगा। व्यय होगा। दूर से शुभ समाचार प्राप्त होंगे। प्रसन्नता बढ़ेगी। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। आनंद और उल्लास के साथ जीवन व्यतीत होगा। पारिवारिक सहयोग प्राप्त होगा।

मीन किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा। यात्रा मनोरंजक रहेगी। शिक्षा के क्षेत्र में सफलता प्राप्त होगी। व्यस्तता के चलते स्वास्थ्य को नजरअंदाज न करें। बेवजह विवाद हो सकता है। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। उत्साह व प्रसन्नता से काम कर पाएंगे।

गुरु ग्रह और उससे उत्पन्न होने वाले रोग: ज्योतिषीय दृष्टि से विस्तृत विवेचना

गुरु एक आकाश तत्वीय ग्रह है। हमारे शरीर में गुरु का संबंध चरबी, उदर, यकृत, त्रिदोषों में विशेष रूप से कफ, तथा रक्त वाहिनियों से माना गया है। ज्योतिष में गुरु को संतानकारक ग्रह भी कहा गया है। जिन जातकों की कुंडली में गुरु शुभ और बलवान स्थिति में होता है, वे सामान्यतः इन रोगों से दूर रहते हैं। ऐसे व्यक्ति विचारों में श्रेष्ठ, शारीरिक रूप से हृष्ट-पुष्ट और मानसिक रूप से अत्यंत सुदृढ़ होते हैं। इसके विपरीत यदि कुंडली में गुरु पापी हो या किसी पाप ग्रह से पीड़ित हो, तो जातक को कर्ण व दंत रोग, अस्थि मज्जा विकार, वायु विकार, अचानक मूर्छा, ज्वर, आंतों की शल्य क्रिया, रक्त विकार, मानसिक कष्ट तथा ऊँचे स्थान से गिरने का भय बना रहता है। सामान्यतः ये रोग गुरु के चौथे, छठे, आठवें अथवा बारहवें भाव में स्थित होने पर अथवा गोचर के दौरान इन भावों में आने पर प्रकट होने की संभावना अधिक होती है। फिर भी यह मान लेना उचित नहीं कि केवल गुरु के पापी होने से ही निश्चित रूप से यही रोग होंगे। रोगों का निर्धारण करते समय यह देखना भी आवश्यक है कि गुरु किस भाव में और किस राशि में स्थित है, साथ ही अन्य ग्रहों के योग भी उतने ही महत्वपूर्ण होते हैं।

प्रियंका जैन
9769994439

मेष राशि में गुरु के होने पर जातक को सिर से संबंधित रोग अधिक होते हैं। यदि इस स्थिति में गुरु पर मंगल या केतु की दृष्टि हो, तो किसी दुर्घटना में सिर पर गंभीर चोट का योग बन सकता है। वृषभ राशि में गुरु होने पर मुख, कंठ, श्वसन तंत्र और आहार नली से जुड़े संक्रमण का भय रहता है। यदि गुरु इस राशि में लग्न भाव में हो, तो व्यक्ति को उदर विकार तथा जीवनसाथी को मूत्र संस्थान से संबंधित संक्रमण की संभावना रहती है। अनुभव में यह भी देखा गया है कि इस राशि में गुरु पीड़ित हो या न हो, वाणी विकार और मुख रोग देता ही है। मिथुन राशि में गुरु व्यक्ति के कंधों और भुजाओं में कष्ट देता है। यदि बुध भी पीड़ित हो, तो त्वचा और रक्त विकार की संभावना बढ़ जाती है। किसी पाप ग्रह की दृष्टि या युति होने पर 32वें वर्ष में दुर्घटना द्वारा हाथ में गंभीर क्षति का योग भी बन सकता है, बशर्ते गुरु अत्यधिक पीड़ित हो और बुध लग्नेश न हो। कर्क राशि में गुरु फेफड़ों, छाती और पाचन क्रिया को प्रभावित करता है। यदि गुरु और चंद्र दोनों पीड़ित हों तथा चतुर्थ भाव या उसका स्वामी भी कमजोर हो, तो कम आयु में ही उच्च रक्तचाप और हृदयाघात का योग बनता है। कर्क लग्न होने पर मानसिक कष्ट अधिक रहता है। गर्मी के मौसम में जल की कमी से ऐसे जातकों को अस्पताल तक जाना पड़ सकता है, इसलिए जल सेवन विशेष रूप से आवश्यक होता है। सिंह राशि में गुरु उदर विकार के साथ हृदय से संबंधित समस्याओं का भय देता है और गर्मी के मौसम में मूर्छा जैसी स्थिति बन सकती है। कन्या राशि में गुरु आंतों के संक्रमण और पेट में जलन को बढ़ाता है। मंगल की दृष्टि होने पर आंतों की शल्य क्रिया या एपेंडिक्स ऑपरेशन की संभावना रहती है। गुरु के साथ शुक्र होने पर नपुंसकता या शीघ्रपतन का भय रहता है, जबकि शनि की दृष्टि होने पर भी ये रोग उत्पन्न होते हैं। तुला राशि में गुरु मूत्र विकार, जनन अंग, गुदा रोग और कमर दर्द देता है। शीघ्रपतन की समस्या भी अधिक देखी जाती है। इस राशि में गुरु यदि अत्यधिक बलवान हो तो रोगों की संभावना बढ़ती है। यदि लग्न भी तुला हो, तो गुरु का कमजोर होना ही जातक के लिए लाभदायक माना गया है।

न्यूज ब्रीफ

NH-106 पर भीषण सड़क हादसा, चार युवकों की मौत

मधेपुरा। मधेपुरा–वीरपुर एनएच-106 पर शनिवार तड़के तेज रफ्तार हाइवा और कार की आमने-सामने की टक्कर में कार सवार चार युवकों की मौके पर ही मौत हो गई। हादसा सदर थाना क्षेत्र में पावर ग्रिड कार्यालय और बीएन मंडल विश्वविद्यालय के पास हुआ। कोहरे के बीच हुई भीषण टक्कर में कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शवों को बाहर निकालकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतकों की पहचान सोनू कुमार, साहिल राज, साजन कुमार और रूपेश कुमार के रूप में हुई है। हादसे के बाद हाइवा चालक फरार हो गया, जिसकी तलाश की जा रही है। प्रारंभिक जांच में तेज रफ्तार और लापरवाही को दुर्घटना का कारण बताया गया है।

चंदौली को मिला एकीकृत न्यायालय परिसर का तोहफा

चंदौली। भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को चंदौली में एकीकृत न्यायालय परिसर की आधारशिला रखी। इस अवसर पर इलाहाबाद हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश सहित सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट के कई न्यायाधीश उपस्थित रहे। यह परियोजना चंदौली समेत प्रदेश के छह जिलों में न्यायिक ढांचे को सुदृढ़ करने की दिशा में पायलट प्रोजेक्ट के रूप में शुरू की गई है। प्रशासन के अनुसार, छह जिलों में बनने वाले इन कोर्ट कॉम्प्लेक्स पर लगभग 1500 करोड़ रुपये खर्च होंगे, जबकि चंदौली में करीब 236 करोड़ रुपये की लागत से 37 न्यायालय कक्ष, अधिवक्ताओं के चैंबर और न्यायिक अधिकारियों के आवास बनाए जाएंगे। परियोजना के लगभग 18 माह में पूर्ण होने की संभावना है, जिससे आम लोगों और अधिवक्ताओं को आधुनिक न्यायिक सुविधाएं उपलब्ध होंगी।

अंतिम संस्कार के लिए बनेंगे 38 प्लेटफार्म

वाराणसी। वाराणसी के मणिकर्णिका घाट पर चल रहे वृहद शवदाह घाट विकास कार्य के तहत 38 नए शवदाह प्लेटफार्म और शवयात्रियों की सुविधा के लिए वेटिंग रूम बनाए जाएंगे। यह जानकारी उत्तर प्रदेश सरकार के मंत्री रवीन्द्र जायसवाल ने दी। उन्होंने बताया कि यह परियोजना शहर सहित दूर-दराज से आने वाले लोगों की सहूलियत को ध्यान में रखकर विकसित की जा रही है। मंत्री ने निर्माण कार्य के दौरान अहिल्याबाई होलकर की मूर्ति को नुकसान पहुंचने को ठेकेदार की लापरवाही बताया और कहा कि मूर्ति के क्षतिग्रस्त हिस्सों को सुरक्षित रख लिया गया है, ताकि मरम्मत के बाद उसे पुनः स्थापित किया जा सके। उन्होंने बताया कि मणिकर्णिका घाट के विकास के लिए रूपा फाउंडेशन द्वारा 18 करोड़ रुपये की सहायता दी गई है और कार्य प्रशासन की निगरानी में कराया जा रहा है।

मौनी अमावस्याः तीन करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं के आने की संभावना

संगम तीरे लगा आस्था का मेला

- आधी रात से ही शहर में लागू हो गया है रूट डायवर्जन
- शहर को जोड़ने वाले सभी मार्गों पर बनाई गई पार्किंग

एजेंसी । प्रयागराज

त्रिवेणी संगम की पावन धरती पर चल रहे माघ मेला 2026 का सबसे प्रमुख स्नान पर्व मौनी अमावस्या रविवार, 18 जनवरी को श्रद्धा और आस्था के साथ मनाया जाएगा। इस अवसर पर गंगा, यमुना और अदृश्य सरस्वती के संगम में तीन से चार करोड़ श्रद्धालुओं के स्नान की संभावना को देखते हुए मेला प्रशासन और जिला प्रशासन पूरी तरह अलर्ट मोड में है।

मौनी अमावस्या को माघ मेले का सर्वाधिक पुण्यकारी स्नान माना जाता है। आधी रात से ही श्रद्धालुओं का संगम क्षेत्र की ओर आगमन शुरू हो जाएगा। इसे ध्यान में रखते हुए प्रशासन ने भीड़ नियंत्रण, सुरक्षा, यातायात और स्वच्छता को लेकर व्यापक तैयारियां की हैं।

सभी घाटों पर सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम

संगम और किला घाट सहित सभी प्रमुख स्नान घाटों पर बैरिकेडिंग, प्रकाश व्यवस्था और सुरक्षित उतराई-चढ़ाई की व्यवस्था की गई है। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए घाटों को सेक्टरों में विभाजित किया गया है, ताकि भीड़ एक स्थान पर एकत्र न हो। प्रशासन ने लगभग 24 स्नान घाट तैयार किए हैं, जो लगभग 8 किलोमीटर के तट पर फैलाए गए हैं। श्रद्धालु अपनी क्षेत्रीय प्रवेश बिंदु के नजदीकी घाट पर स्नान कर सकेंगे। घाटों पर मजबूत सुरक्षा बैरिकेडिंग, नए पोंटून पुल और घाट तक क्लीयर मार्ग बनाए गए हैं ताकि भीड़ आगमन और प्रस्थान सरल रहे।

15000 सुरक्षा बलों को दी गई तैनाती

माघ मेले के प्रमुख स्नान पर्व मौनी अमावस्या पर सुरक्षा के लिए पर्याप्त इंतजाम किए गए हैं। कई जिलों से फोर्स बुलाई गई है। भीड़ और सुरक्षा नियंत्रण के लिए 15,000 पुलिस कर्मियों के अलावा अर्धसैनिक बलों की तैनाती की गई है, जिनमें स्थानीय और विशेष सुरक्षा टीमें शामिल हैं। भीड़ प्रबंधन के लिए डायवर्जन की व्यवस्था की गई है। जिसमें नो-व्हीकल जोन, वाहनों के लिए पहले से निर्धारित पार्किंग, निगरानी के लिए सीसीटीवी और ड्रोन का व्यापक उपयोग शामिल है।

माघ मेलाः एक पखवारे में चलाई गईं 394 स्पेशल रेलगाड़ियां

दो से 16 जनवरी के बीच किया गया संचालन

प्रयागराज। माघ मेला-2026 के दौरान श्रद्धालुओं की निर्बाध और सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए रेलवे ने व्यापक स्तर पर विशेष रेल सेवाओं का संचालन किया। 02 से 16 जनवरी के बीच उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज मंडल के नेतृत्व में कुल 394 मेला विशेष रेलगाड़ियां सफलतापूर्वक चलाई गईं। मंडल रेल प्रबंधक रजनीश अग्रवाल के निर्देशन और अपर मंडल रेल प्रबंधक दीपक कुमार के मार्गदर्शन में रेलवे प्रशासन ने मेला अवधि के दौरान विशेष ट्रेनों के संचालन को सर्वोच्च प्राथमिकता दी। जनसंपर्क अधिकारी अमित कुमार सिंह के अनुसार, उत्तर मध्य रेलवे द्वारा 298 मेला विशेष ट्रेनें चलाई गईं, जबकि उत्तर रेलवे की 34 और पूर्वोत्तर रेलवे की 62 विशेष रेलगाड़ियों का भी संचालन किया गया।

कुल 3104 गाड़ियों का किया गया संचालन

श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या को देखते हुए एक्सटेंडेड सेवाएं, रिंग रेल सेवाएं, अल्प दूरी की समयबद्ध ट्रेनें तथा अतिरिक्त विशेष रेलगाड़ियां चलाई गईं, जिससे मेला क्षेत्र और आसपास के प्रमुख स्टेशनों के बीच यातायात सुचारु बना रहा। इसके साथ ही मेला अवधि में 2710 नियमित रेलगाड़ियां भी संचालित की गईं। इस प्रकार 15 दिनों में कुल 3104 रेलगाड़ियों का संचालन किया गया।

रेलवे अधिकारियों ने बताया कि कंट्रोल कार्यालयों से लगातार निगरानी, अतिरिक्त कर्मचारियों की तैनाती और विभिन्न विभागों के बीच बेहतर समन्वय के कारण ट्रेनों का संचालन समयबद्ध और व्यवस्थित रहा। इन प्रयासों से माघ मेला में आने वाले श्रद्धालुओं को सुरक्षित, सुविधाजनक और सहज रेल यात्रा उपलब्ध कराई जा सकी।

जौनपुर, प्रतापगढ़ में दोपहर बाद दिखे सूर्यदेव

- जौनपुर में न्यूनतम पारा आठ डिग्री सेल्सियस

एजेंसी । जौनपुर

शनिवार की सुबह जौनपुर और प्रतापगढ़ में घने कोहरे के साथ हुई, जिससे जनजीवन एक बार फिर प्रभावित हो गया। बीते कुछ दिनों से धूप निकलने के कारण ठंड से आंशिक राहत जरूर मिली थी, लेकिन तापमान में गिरावट के चलते सर्दी का असर बना हुआ है। शनिवार को जौनपुर में अधिकतम तापमान 21 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम 08 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। प्रतापगढ़ का पारा भी कमोवेश ऐसा ही रहा। कोहरे के कारण दृश्यता काफी कम हो गई, जिसका सबसे अधिक असर राष्ट्रीय राजमार्गों और प्रमुख सड़कों पर देखा गया। कई स्थानों पर दृश्यता 30 मीटर से भी नीचे चली गई, जिससे वाहन चालकों को बेहद सतर्क होकर चलना पड़ा। ठंडी हवाओं के चलते सुबह और देर शाम सड़कों पर वाहनों की रफ्तार धीमी रही और दुर्घटनाओं की आशंका बनी रही।

अभी और गिरेगा पारा

मौसम के आंकड़ों के अनुसार, जिले में आर्द्रता 84 प्रतिशत दर्ज की गई, जबकि हवा की गति करीब 5 किलोमीटर प्रति घंटा रही। इससे पहले शुक्रवार को अधिकतम तापमान 20 डिग्री और न्यूनतम 08 डिग्री सेल्सियस रहा था। गुरुवार और शुक्रवार को धूप खिलने से ठंड में कुछ कमी आई थी, लेकिन शनिवार को फिर मौसम ने करवट बदल ली। राज्य मौसम केंद्र के प्रभारी अतुल कुमार ने बताया कि प्रदेश के कई जिलों में ठंड का प्रभाव अभी जारी रहेगा। आने वाले दिनों में बादल छाए रहने और तापमान में और गिरावट की संभावना जताई गई है।

दावोस में निवेश तलाशेगा UP का प्रतिनिधिमंडल

एजेंसी । लखनऊ

उत्तर प्रदेश में निवेश को गति देने के उद्देश्य से वित्त मंत्री सुरेश कुमार खन्ना के नेतृत्व में राज्य का एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल शनिवार को स्विट्जरलैंड रवाना होगा। यह प्रतिनिधिमंडल 19 से 23 जनवरी तक दावोस में आयोजित वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम के वार्षिक सम्मेलन में भाग लेकर सेमीकंडक्टर, पर्यटन, सौर ऊर्जा सहित विभिन्न क्षेत्रों में निवेश की संभावनाओं पर वैश्विक निवेशकों से चर्चा करेगा।

प्रतिनिधिमंडल में अपर मुख्य सचिव वित्त दीपक कुमार, सचिव मुख्यमंत्री अमित सिंह और इन्वेस्ट यूपी के सीईओ विजय किरण आनंद शामिल हैं। सम्मेलन के दौरान उत्तर प्रदेश की निवेश-अनुकूल नीतियों, बुनियादी ढांचे और औद्योगिक अवसरों को अंतरराष्ट्रीय मंच पर प्रस्तुत किया जाएगा। प्रतिनिधिमंडल 24 जनवरी को भारत लौटेगा।

जहां समाजवादी पार्टी, वहां BJP की जीत पक्कीः राजभर

- सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के मुखिया ओमप्रकाश राजभर का सपा पर तीखा हमला

एजेंसी । आजमगढ़

सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और प्रदेश सरकार में मंत्री ओम प्रकाश राजभर ने समाजवादी पार्टी को निशाने पर लेते हुए कहा कि सपा की मौजूदगी जहां भी होती है, वहां भाजपा और एनडीए की जीत तय हो जाती है। अतरौलिया निरीक्षण भवन में आयोजित प्रेस वार्ता के दौरान उन्होंने दावा किया कि उत्तर प्रदेश में एनडीए का जनाधार लगातार मजबूत हो रहा है और आने वाले वर्षों में भी सत्ता एनडीए के हाथों में रहेगी।

महाराष्ट्र, राजस्थान का दिया उदाहरण

राजभर ने महाराष्ट्र, राजस्थान और हरियाणा के चुनावी उदाहरणों का उल्लेख करते हुए कहा कि सपा की रणनीति अब असरहीन हो चुकी है। उन्होंने आरोप लगाया कि हालिया चुनावों में सपा के नेता सक्रिय प्रचार के बावजूद जनता का विश्वास नहीं जीत पाए। वहीं, महाराष्ट्र में एआईएमआईएम की सफलता पर टिप्पणी करते हुए उन्होंने कहा कि मुस्लिम समाज अब शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार जैसे मुद्दों को प्राथमिकता दे रहा है और केवल परंपरागत राजनीति तक सीमित नहीं रहना चाहता।

2027 में भी बनेगी एनडीए की सरकार

2027 के विधानसभा चुनाव को लेकर उन्होंने कहा कि जनता विकास और कामकाज के आधार पर मतदान कर रही है, इसी कारण एनडीए न केवल 2027 बल्कि 2047 तक प्रदेश की सत्ता में बना रहेगा। परिवारवाद के आरोपों को खारिज करते हुए राजभर ने कहा कि संगठन के लिए काम करने वाला हर व्यक्ति उनका परिवार है। उन्होंने यह भी बताया कि दलित, पिछड़ा और महिला वर्ग के आरक्षण को लेकर वे गंभीर हैं !

व्यापार जगत

ग्लोबल इकोनॉमिक कोऑपरेशन 2026

बहुध्रुवीय दुनिया में खोजे जाएंगे नए रास्ते

- महाराष्ट्र सरकार और विदेश मंत्रालय के सहयोग से हो रहा आयोजन
- CM महाराष्ट्र देवेंद्र फडणवीस को बनाया गया है सम्मेलन का संरक्षक

नई दिल्ली। मुंबई में 17 से 19 फरवरी तक आयोजित होने वाले पहले ग्लोबल इकोनॉमिक कोऑपरेशन 2026 (जीईसी) सम्मेलन में वैश्विक नीति-निर्माता, सीईओ, निवेशक और बहुपक्षीय संस्थानों के नेता एकत्र होंगे। इस उच्चस्तरीय मंच पर बहुध्रुवीय होती दुनिया में आर्थिक सहयोग, निवेश और पूंजी के समन्वय के नए रास्तों पर चर्चा की जाएगी।

सम्मेलन का आयोजन फ्यूचर इकोनॉमिक कोऑपरेशन काउंसिल (एफईसीसी) द्वारा किया जा रहा है, जिसमें भारत सरकार के विदेश मंत्रालय और महाराष्ट्र सरकार का सहयोग है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस सम्मेलन के संरक्षक हैं, जबकि विश्वमित्र रिसर्च फाउंडेशन की संस्थापक प्रियम गांधी-मोदी इसे क्यूरेट करेंगी। जीईसी 2026 का उद्देश्य वैश्विक व्यापार, निवेश और आर्थिक प्रशासन में हो रहे संरचनात्मक बदलावों का सामना करने के लिए व्यावहारिक समाधान तैयार करना है। इन्फ्रास्ट्रक्चर फाइनेंसिंग, एडवांस्ड मैन्युफैक्चरिंग, टेक्नोलॉजी, एनर्जी ट्रांजिशन और रेजिलिएंट सप्लाई चेन जैसे विषयों पर उच्च-स्तरीय सत्र और गोपनीय संवाद आयोजित किए जाएंगे।

प्रियम गांधी-मोदी ने बताया कि सम्मेलन का लक्ष्य वैश्विक अर्थव्यवस्थाओं को बिखराव, संरक्षणवाद और अनिश्चितता से बचाना और भारत के माध्यम से सरकारों, निवेशकों और इंडस्ट्री लीडर्स को जोड़ना है। भारत के विदेश मामलों के प्रभारी विजय चौथाईवाले ने कहा कि जीईसी 2026 को-ऑपरेटिव, नियम आधारित आर्थिक ढांचे को मजबूत करने और वैश्विक स्थिरता को बढ़ावा देने के लिए आयोजित किया जा रहा है।

बदलाव और नवाचार पर होगा विमर्श

सम्मेलन के तीसरे दिन 'इमर्जिंग लीडर्स सर्कल' भी लॉन्च किया जाएगा, जो युवा बिजनेस लीडर्स को ग्लोबल इकोनॉमिक बदलाव और नवाचार पर चर्चाओं के माध्यम से जोड़ने का विशेष मंच है। यह प्लेटफॉर्म आईआईएम और कोलंबिया यूनिवर्सिटी जैसे प्रमुख संस्थानों के सहयोग से आयोजित किया जाएगा। जीईसी 2026 वैश्विक सहयोग, ट्रेड और कनेक्टिविटी को बढ़ावा देने, आर्थिक समावेशन सुनिश्चित करने और साझा समृद्धि को प्रोत्साहित करने का मंच बनेगा। सम्मेलन में मंत्री, सॉवरेन एवं संस्थागत निवेशक, और इन्फ्रास्ट्रक्चर, लॉजिस्टिक्स, क्लीन एनर्जी, एआई, फिनटेक और एडवांस्ड मैन्युफैक्चरिंग जैसे क्षेत्रों के सीईओ शामिल होंगे।

तीसरी तिमाही में IDBI बैंक ने की 1935 करोड़ की कमाई

एजेंसी । नई दिल्ली

आईडीबीआई बैंक ने चालू वित्त वर्ष 2025-26 की तीसरी तिमाही के वित्तीय नतीजे घोषित कर दिए हैं। अक्टूबर से दिसंबर 2025 की अवधि में बैंक ने 1,935 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ अर्जित किया, जो पिछले वर्ष की समान तिमाही के 1,908 करोड़ रुपये के मुकाबले लगभग स्थिर रहा। बैंक द्वारा शेयर बाजार को दी गई जानकारी के अनुसार, तिमाही के दौरान कुल आय घटकर 8,282 करोड़ रुपये रह गई, जबकि एक साल पहले इसी अवधि में यह 8,565 करोड़ रुपये थी। इसी तरह ब्याज आय में भी कमी दर्ज की गई और यह 7,816 करोड़ रुपये से घटकर 7,074 करोड़ रुपये पर आ गई।

सकल एनपीए अनुपात 2.57%

इस दौरान बैंक की परिसंपत्ति गुणवत्ता में सुधार देखने को मिला। सकल एनपीए अनुपात घटकर 2.57 प्रतिशत रह गया, जो पिछले वर्ष की समान तिमाही में 3.57 प्रतिशत था, जबकि शुद्ध एनपीए 0.18 प्रतिशत पर स्थिर रहा। वहीं पूंजी पर्याप्तता अनुपात बढ़कर 24.63 प्रतिशत हो गया। हालांकि, परिसंपत्तियों पर प्रतिफल (आरओए) में मामूली गिरावट दर्ज की गई और यह 1.83 प्रतिशत पर आ गया।

EPFO: 11 साल बाद बढ़ सकती है पेंशन

नई दिल्ली। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) की न्यूनतम पेंशन में 11 साल बाद बढ़ोतरी की संभावना जताई जा रही है। सूत्रों के अनुसार, सरकार इस विषय पर गंभीरता से विचार कर रही है और फैसला बजट 2026 के दौरान या उसके तुरंत बाद लिया जा सकता है। फिलहाल ईपीएफओ से जुड़े कर्मचारियों को न्यूनतम पेंशन के तौर पर मात्र 1,000 रुपये प्रति माह मिलते हैं, जो पिछले 11 वर्षों से अपरिवर्तित है।

कर्मचारी संगठनों का तर्क है कि महंगाई और जीवनयापन की लागत में वृद्धि के बावजूद पेंशन में कोई इजाफा नहीं हुआ।

भारतीय मजदूर संघ (बीएमएस) सहित अन्य संगठनों ने सरकार से कम से कम 7,000 से 10,000 रुपये प्रतिमाह न्यूनतम पेंशन सुनिश्चित करने की मांग की है। इस मुद्दे पर सर्वोच्च न्यायालय में भी विचाराधीन मामला है, जिससे सरकार के निर्णय की संवेदनशीलता और बढ़ गई है।

2025 में चांदी ने निवेशकों की भरी झोली

2026 में भी चमक बरकरार रहने की उम्मीद

देवास। क़ीमती धातुओं के बाजार में चांदी ने पिछले साल निवेशकों को जबरदस्त रिटर्न देकर आकर्षित किया। घरेलू बाजार में चांदी की कीमतों में 150 प्रतिशत तक की वृद्धि दर्ज की गई, जिससे यह सबसे बेहतर प्रदर्शन करने वाली धातु बन गई। विशेषज्ञों का मानना है कि 2026 में भी औद्योगिक मांग, सीमित आपूर्ति और वैश्विक अनिश्चितताओं के चलते चांदी में तेजी जारी रह सकती है।

सोने ने भी भरोसेमंद रिटर्न दिए, जहां निवेशकों को 70-80 प्रतिशत तक लाभ हुआ। भू-राजनीतिक अस्थिरता, महंगाई की चिंता और केंद्रीय बैंकों की खरीदारी ने सोने की कीमतों को मजबूत बनाए रखा। निवेशक अब जोखिम लेने वालों के लिए चांदी और सुरक्षित रिटर्न चाहने वालों के लिए सोने को अपने पोर्टफोलियो में शामिल कर रहे हैं।

चांदी संग सोना भी देगा मुनाफा

विशेषज्ञों का कहना है कि भले ही पिछले साल जैसी तेज रैली दोहराना मुश्किल हो, लेकिन दोनों धातुएं लंबी अवधि में निवेशकों को लाभ देती रहेंगी। माहेश्वरी ब्रोकिंग की रिसर्च एनालिस्ट कंचन माहेश्वरी के अनुसार, यदि वैश्विक आर्थिक और निवेश माहौल स्थिर रहता है तो चांदी और सोने में 2026 में और तेजी देखी जा सकती है।

AU स्मॉल फाइनेंस बैंक ने शुरू की विशेष बैंकिंग सुविधा

नई दिल्ली। एयू स्मॉल के फाइनेंस बैंक ने भारतीय कंपनी सचिव संस्थान (आईसीएसआई) के सदस्यों के लिए विशेष बैंकिंग और क्रेडिट कार्ड समाधान पेश करने की घोषणा की है। शनिवार को बैंक और आईसीएसआई के बीच समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। इस पहल के तहत देशभर के कंपनी सचिवों को पेशेवर आवश्यकताओं और व्यक्तिगत वित्त की जरूरतों के अनुरूप तैयार चालू एवं बचत खाता सेवाओं के साथ 'जेनिथ क्रेडिट कार्ड' का लाभ मिलेगा। बैंक ने बताया कि यह कार्ड हमेशा मुफ्त रहेगा और इसमें यात्रा सुविधाओं के साथ घरेलू एवं अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट लाउंज तक मुफ्त पहुंच शामिल होगी। एमओयू का उद्देश्य सदस्यों को व्यापक बैंकिंग सेवाएं उपलब्ध कराना और बैंक के भीतर कंपनी सचिवों के लिए रोजगार के अवसर भी सृजित करना है।

न्यूज ब्रीफ

घुड़दौड़ : मिस अमेरिकन पे बेहतर

मुंबई। रविवार को महालक्ष्मी रेसकोर्स पर मुंबई घुड़दौड़ सत्र के आठवें दिन कुल सात दौड़ों का कार्यक्रम रखा गया है। दिन की मुख्य दौड़ मुलराज गोकुलदास ट्रॉफी में एम के जाधव द्वारा प्रशिक्षित अमेरिकन पे बेहतर नजर आ रही है और उसके जीत की संभावना है। पहली दौड़ दोपहर दो बजे आरंभ होगी। विभिन्न दौड़ों के लिए हमारे चयन इस प्रकार है : 1- एनफोर्सर (प्र.), ईस्टर्न मोनॉर्क (द्वि.), 2- मिस अमेरिकन पे (प्र.), ऑयरिश गोल्ड (द्वि.), 3- कीमिको (प्र.), लुकिंग लाईक ए वॉव (द्वि.), 4- ब्ल्यु जेट (प्र.), लैटियोस (द्वि.), 5- इनविक्टर (प्र.), सोलेवा (द्वि.), 6- लुसियो (प्र.), बेज़ाले (द्वि.), 7- शिकागो चाईम्स (प्र.), रॉयल चैंप (द्वि.), दिन का सर्वोत्तम : इनविक्टर।

वेंगसरकर क्रिकेट अकादमी को खिताब

मुंबई। गेंदबाजों द्वारा किए गए शानदार प्रदर्शन के दम पर चिंचवड़ की वर्रोक वेंगसरकर क्रिकेट अकादमी ने फाइनल में करण क्रिकेट अकादमी को नौ विकेट से पराजित करके दिलीप वेंगसरकर फाउंडेशन द्वारा आयोजित बॉयज अंडर-12 क्रिकेट प्रतियोगिता के खिताब पर कब्जा कर लिया। 35 ओवर के मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए करण क्रिकेट अकादमी की टीम सिर्फ 26.5 ओवर में 62 रन पर आउट हो गई। प्रियदर्शन (18) और पीयूष दंडेकर (11) के अलावा कोई अन्य बल्लेबाज दोहरे अंक तक नहीं पहुंच सका। वर्रोक वेंगसरकर क्रिकेट अकादमी के गेंदबाजों ने घातक गेंदबाजी की। धैर्य यादव सबसे सफल रहे, जिन्होंने 12 रन देकर तीन विकेट लिए। उन्हें प्रीतम पवार (2/10) और वेदांत केलगी (2/7) ने दो-दो विकेट लेकर अच्छा साथ दिया। छोटे से लक्ष्य का पीछा करते हुए वर्रोक वेंगसरकर ने सिर्फ एक विकेट खोया। अर्जुन शेटे (3 चौकों सहित 32*) और शौर्य कांबले (22*) ने दूसरे विकेट के लिए नाबाद 50 रनों की साझेदारी निभाई। विजेता खिलाड़ियों को पूर्व भारतीय टीम के कप्तान दिलीप वेंगसरकर और क्रिकेट कमेंटटर मिलिंद टिपनीस ने पुरस्कार वितरण किए।

जिम्बाब्वे ने कर्टनी वॉल्श को नियुक्त किया सलाहकार

हरारे। जिम्बाब्वे क्रिकेट ने आगामी टी-20 विश्व कप की तैयारियों को मजबूती देने के लिए वेस्टइंडीज के दिग्गज तेज गेंदबाज कर्टनी वॉल्श को सहयोगी स्टाफ में सलाहकार नियुक्त किया है। उपमहाद्वीप की परिस्थितियों में खेलने का व्यापक अनुभव रखने वाले वॉल्श ने टूर्नामेंट से पहले टीम के साथ काम शुरू कर दिया है। 7 फरवरी से 8 मार्च तक होने वाले इस टूर्नामेंट में जिम्बाब्वे ग्रुप-बी में ऑस्ट्रेलिया, आयरलैंड, ओमान और श्रीलंका के साथ प्रतिस्पर्धा करेगा।

टीम इंडिया के सामने बादशाहत बरकरार रखने की चुनौती

न्यूजीलैंड के खिलाफ तीसरा और निर्णायक वनडे मुकाबला आज

इंदौर। दुनिया की नंबर एक टीम भारत की साख दांव है। शुभमन गिल की टीम पर पिछले सात साल में घर में लगातार 11 सीरीज जीतने के बाद पहली द्विपक्षीय वनडे सीरीज गंवाने का खतरा मंडरा रहा है। मेजबान टीम को अगर इससे बचना है तो उसके गेंदबाजों खासकर स्पिनरों को रविवार को न्यूजीलैंड के खिलाफ तीसरे और निर्णायक मुकाबले में कमाल दिखाना होगा। होलकर स्टेडियम में होने वाले इस मुकाबले में टॉस भी अहम भूमिका निभाएग। दुनिया की दो शीर्ष टीमों के बीच होलकर में होने वाला यह मुकाबला काफी रोमांचक होगा। न्यूजीलैंड ने पहला मैच हारने के बाद दूसरे में जबरदस्त वापसी करते हुए सीरीज एक-एक से बराबर कर ली है। भारतीय टीम मार्च 2019 के बाद से घरेलू मैदान पर कोई सीरीज नहीं हारी है। तब ऑस्ट्रेलिया ने 0-2 से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए पांच मैचों की सीरीज 3-2 से जीती थी। वहीं टीम ने न्यूजीलैंड के खिलाफ 36 से कोई सीरीज नहीं हारी है।

आमने-सामने

कुल मैच	: 122
भारत जीता	: 63
न्यूजीलैंड जीता	: 51
बेनतीजा	: 7
टाई	: 1

डेरिल बनाम कुलदीप

दूसरे मुकाबले में जब कुलदीप यादव गेंदबाजी के लिए आए तब मैच पूरी तरह से भारत के नियंत्रण में था। लेकिन तभी डेरिल मिचेल ने आक्रामक रुख अपनाया। उन्होंने कुलदीप को निशाना बनाते हुए रनचेज को देखते-ही-देखते आसान बना दिया। उनकी फ्लैट गेंदबाजी का मिचेल ने पूरा फायदा उठाया। यह सिर्फ पहला मुकाबला नहीं था जिसमें मिचेल ने कुलदीप की धुनाई की। मिचेल हमेशा कुलदीप पर भारी पड़ते हैं।

बडोनी या अर्शदीप

भारत ने चोटिल सुंदर की जगह ऑफ स्पिन ऑलराउंडर आयुष बडोनी को टीम में शामिल किया है। हालांकि दूसरे मैच में नितीश रेड्डी को उतारा। रेड्डी ने सिर्फ दो ओवर फेंके बल्लेबाजी में भी वह खास नहीं कर पाए। ऐसे में देखना होगा कि टीम प्रबंधन बडोनी को पदार्पण का मौका देता है या फिर बाएं हाथ के तेज गेंदबाजी अर्शदीप को उतारता है। बडोनी मध्यक्रम के अच्छे बल्लेबाज और ऑफ स्पिन गेंदबाज हैं। हालांकि इंदौर की छोटी बाउंड्री बडोनी के खिलाफ जा सकती हैं। अर्शदीप हाल ही में काफी प्रभावशाली रहे हैं। उनकी नई गेंद को स्विंग कराने, विकेट को निशाना बनाकर गेंदबाजी करने और डेथ ओवरों में यॉर्कर डालने की क्षमता भारत को रणनीतिक बढ़त दिलाएगी।

...तो इस बार निर्णायक जंग जीत पाएगा न्यूजीलैंड

न्यूजीलैंड की टीम ने अब तक 16 बार भारत के दौरे किए हैं। इनमें द्विपक्षीय सीरीज के अलावा चार वनडे विश्व कप और एक चैंपियंस ट्रॉफी भी शामिल है पर वह कभी भारत में खिताब नहीं जीत पाया। इस दौरान कीवी टीम तीन बार ही निर्णायक स्थिति में पहुंची पर जीत नहीं पाई। टीम 1995 में छह मैचों की वनडे सीरीज के निर्णायक मुकाबले में 126 रन पर ढेर हो गई। वहीं 2016 में पांच मैचों की सीरीज के निर्णायक मुकाबले में टीम 270 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए मात्र 79 रन पर लुढ़क गई।

टॉस होगा बॉस

मैदान की बाउंड्री अपेक्षाकृत छोटी है। चौके-छक्कों की बरसात देखने को मिल सकती है। आउटफील्ड तेज होने के कारण गेंद आसानी से सीमा रेखा तक पहुंच जाती है। दूसरी पारी में अक्सर ओस (ड्यू) की भूमिका भी अहम रहती है। इससे गेंदबाजों के लिए मुश्किल और बढ़ जाती है। इसी कारण टॉस जीतने वाली टीम पहले गेंदबाजी करना पसंद करेगी क्योंकि यहां लक्ष्य का पीछा करना आसान होगा। भारतीय टीम ने पिछले तीन साल से टॉस जीतने के बाद घर पर कोई वनडे नहीं हारा है। अगर सिक्के ने गिल का साथ नहीं दिया तो टीम के लिए कड़ी चुनौती होगी।

नंबर गेम

100 वीं जीत होगी यह भारतीय टीम की न्यूजीलैंड के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अगर वह जीता तो

26 रन दूर हैं श्रेयस वनडे में सबसे तेज तीन हजार रन पूरे करने वाले भारतीय बनने से जबकि गिल को 70 रन चाहिए

17 रन बनाते ही रोहित अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 16 हजार रन बनाने वाले सलामी बल्लेबाज बन जाएंगे

एक विकेट जडेजा को दिला देगा वापसी : सिराज

इंदौर। भारतीय तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज ने ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा का समर्थन करते हुए शनिवार को कहा कि वह जल्द ही अपनी लय हासिल कर लेंगे। उन्हें अपनी सर्वश्रेष्ठ फॉर्म में लौटने के लिए केवल एक विकेट की जरूरत होगी। उन्होंने कहा, मुझे नहीं लगता कि जडेजा की फॉर्म किसी तरह से भी चिंता का विषय है। यह सिर्फ एक विकेट की बात है। एक बार वह विकेट मिल जाए तो आपको एक बिल्कुल अलग तरह का गेंदबाज देखने को मिलेगा। हमने दोनों मैचों में बहुत अच्छा प्रदर्शन किया। पहले वनडे में हमारी गेंदबाजी और बल्लेबाजी दोनों ही शानदार रहीं। दूसरे मैच में शुरुआती विकेट गिरने के बावजूद केएल राहुल ने अच्छी बल्लेबाजी की और नितीश रेड्डी ने भी योगदान दिया।

विजय हजारे ट्रॉफी: फाइनल मुकाबला आज

तीसरा खिताब जीतने के इरादे से उतरेगी सौराष्ट्र

विदर्भ पहली बार चैंपियन बनना चाहेगी

बंगलूरू। बिना किसी स्टार खिलाड़ी के बावजूद अब तक बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले सौराष्ट्र और विदर्भ के बीच रविवार को बंगलूरू के बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) के मैदान पर होने वाले विजय हजारे ट्रॉफी एकदिवसीय क्रिकेट टूर्नामेंट के फाइनल में रोमांचक मुकाबला होने की संभावना है क्योंकि दोनों टीम कागजों पर एक समान नजर आती हैं। सौराष्ट्र अपना तीसरा, जबकि विदर्भ पहला खिताब जीतने के लिए आमने-सामने होंगे। दोनों टीम के बल्लेबाजों और गेंदबाजों ने अभी तक अच्छा प्रदर्शन किया है जिससे उनकी टीम मजबूत टीमों को हराने में सफल रही।

सौराष्ट्र के कप्तान शानदार फॉर्म में

सौराष्ट्र के कप्तान हार्विक देसाई 561 रन के साथ टीम के शीर्ष रन स्कोरर हैं। उन्हें विश्वराज जडेजा का अच्छा साथ मिला है जिन्होंने पंजाब के खिलाफ सेमीफाइनल में शतक लगाकर टीम को जीत दिलाई थी। दूसरी ओर विदर्भ की बल्लेबाजी को टूर्नामेंट में सबसे अधिक रन बनाने वाले अमन मोखाडे (781 रन) और ध्रुव शोरे (515 रन) ने मजबूती दी है। मोखाडे पारंपरिक सलामी बल्लेबाज हैं। उन्होंने अब तक काफी अच्छा प्रदर्शन किया है। कर्नाटक के खिलाफ सेमीफाइनल में उन्होंने जिस तरह धैर्य से शतक जड़ा उससे उनके कौशल का पता चलता है।

रविकुमार समर्थ भी शानदार बैटिंग कर रहे

रविकुमार समर्थ ने भी मध्य क्रम में कुछ उपयोगी योगदान देकर अपनी अहमियत साबित की है और उन्होंने अब तक कुल 427 रन बनाए हैं। बल्लेबाजी के लिहाज से इन दोनों टीमों में कोई खास अंतर नहीं है और गेंदबाजी की कहानी भी कुछ इसी तरह की है। तेज गेंदबाज अंकुर पंवार (21 विकेट) और चेतन सकारिया (15) ने सौराष्ट्र के आक्रमण को अच्छी तरह से संभाला है। इन दोनों ने नई गेंद और डेथ ओवरों में प्रभावशाली प्रदर्शन किया है। विदर्भ ने इस टूर्नामेंट में गेंदबाजी विभाग में नचिकेत भूटे (15) और यश ठाकुर (15) पर अब तक जो भरोसा दिखाया है उस पर वह पूरी तरह से खरे उतरे हैं और फाइनल में भी इस तेज गेंदबाजी जोड़ी से अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद है। दर्शन नालकंडे (12) भी विदर्भ को तेज गेंदबाजी विकल्प प्रदान करते हैं।

बॉलीवुड

मैं एक्टिंग में अच्छी नहीं हूं : इरा खान

@लोकेश चंद्रा

आमिर खान और रीना दत्ता की बेटी इरा खान इन दिनों मेंटल हेल्थ को लेकर समाज में जागरूकता फैलाने का अहम काम कर रही हैं। निजी जीवन में डिप्रेशन जैसी गंभीर समस्या से जूझ चुकीं इरा आज न सिर्फ खुद को फिट और मजबूत बना रही हैं, बल्कि दूसरों को भी मानसिक और शारीरिक सेहत के प्रति जागरूक कर रही हैं। हाल ही में उन्होंने बताया कि वे अपने पूरे परिवार के साथ टाटा मुंबई मैराथन में हिस्सा लेने जा रही हैं। इस खास बातचीत में इरा ने फिटनेस, मेंटल हेल्थ, डिप्रेशन से उबरने और अपने करियर को लेकर खुलकर बात की।

Q डिप्रेशन से उबरने के बाद मेंटल हेल्थ पर काम करने का विचार कैसे आया?

इरा बताती हैं कि रिकवरी के दौरान उन्हें एहसास हुआ कि उनके पास यह सुविधा है कि वे बिना कमाए भी खुद को संभाल सकती हैं। 'तब मैंने सोचा कि जो दर्द मैंने झेला है, वो दूसरों को न झेलना पड़े। इसी सोच के साथ मैंने मेंटल हेल्थ पर काम करना शुरू किया। 2019 में इरा ने एक प्ले किया और 2020 में एक शो में असिस्टेंट डायरेक्टर के रूप में काम कर रही थीं, लेकिन कोरोना महामारी के बाद उन्होंने पूरी तरह मेंटल हेल्थ पर फोकस कर दिया।

Q फिटनेस के प्रति सजग होने के लिए आपको किस चीज़ ने सबसे ज्यादा प्रेरित किया?

सच कहूं तो मुझे दौड़ना बिल्कुल पसंद नहीं है। स्पोर्ट्स खेलते समय दौड़ना अलग बात है, लेकिन सिर्फ दौड़ने के लिए कहना मेरे लिए मुश्किल होता है। मैं अपने पति नुपुर शिखरे के साथ कई स्पोर्ट्स इवेंट्स में जाती हूं, जहां लोगों की एनर्जी, उनकी मेहनत और उत्साह देखकर मैं प्रभावित होती हूं। पहले मैं सिर्फ चीयर करती थी, लेकिन फिर लगा कि अब खुद को भी फिट रखने के लिए कुछ करना चाहिए।इरा बताती हैं कि इस साल उन्हें अपनी सामाजिक संस्था के लिए फंड जुटाने थे, जिसके चलते उन्होंने टाटा मुंबई मैराथन में रजिस्ट्रेशन कराया। शुरुआत में सिर्फ उनके भाई जुनैद दौड़ने वाले थे, लेकिन पिता आमिर खान ने उन्हें समझाया कि मेंटल हेल्थ के साथ-साथ फिजिकल हेल्थ भी उतनी ही जरूरी है। "इसके बाद मैंने न सिर्फ खुद को, बल्कि पूरे परिवार को मैराथन में हिस्सा लेने के लिए मोटीवेट किया। इरा कहती हैं।

Q क्या आपके पति नुपुर शिखरे आपको फिटनेस को लेकर प्रेरित करते हैं?

नुपुर और मेरी मुलाकात 2015 में हुई थी, जब वे मेरे फिटनेस ट्रेनर थे। 2019 में हमारी दोस्ती हुई और किसी ने नहीं सोचा था कि आगे क्या होगा। मैं बचपन से ही स्पोर्ट्स में काफी एक्टिव रही हूं और नुपुर हमेशा से मेरे लिए इंस्पिरेशन रहे हैं। वे मुझे मेरी सीमाओं से आगे बढ़ने और अपनी सेहत का बेहतर ख्याल रखने के लिए प्रेरित करते रहते हैं।

Q क्या फिजिकल हेल्थ का सीधा असर मेंटल हेल्थ पर पड़ता है?

इस सवाल पर इरा कहती हैं, बिल्कुल। मेंटल और फिजिकल हेल्थ एक-दूसरे से पूरी तरह जुड़ी हुई हैं, क्योंकि शरीर एक ही है। किसी भी बीमारी का असर सबसे पहले हमारी मानसिक स्थिति पर पड़ता है। डिप्रेशन से बाहर निकलना आसान नहीं होता।

Q आपने वजन बढ़ने को लेकर भी खुलकर बात की थी, उससे कैसे उबरीं?

इरा ईमानदारी से स्वीकार करती हैं, डिप्रेशन में होना, वजन बढ़ जाना और अनफिट महसूस करना, ये सब एक-दूसरे से जुड़े हुए थे। मैंने करीब पांच साल तक खुद के लिए कुछ नहीं किया। अगर उस वक्त थोड़ी कोशिश की होती तो शायद इतना नहीं सहना पड़ता। वे बताती हैं कि शुरुआत में खुद को मोटीवेट करना बेहद मुश्किल था, लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी। ₹मैंने छोटे-छोटे लक्ष्य तय किए और परिवार का पूरा सपोर्ट मिला। धीरे-धीरे मैंने खुद को उस अंधेरे से बाहर निकाला।

Q अधिकतर स्टारकिड्स एक्टिंग या फिल्ममेकिंग की ओर जाते हैं, आपने एक्टिंग क्यों नहीं चुनी?

मैं कभी एक्ट्रेस नहीं बनने वाली थी। मैं एक्टिंग में बहुत खराब हूं और खुद को लेकर काफी कॉन्शियस हो जाती हूं। लोगों के सामने परफॉर्म करना मेरे लिए हमेशा मुश्किल रहा है।₹ वे आगे बताती हैं कि बचपन में वे सोचती थीं कि अगर कोई अच्छी कहानी मिली तो उसे डायरेक्ट करेंगी, लेकिन इस फैसले को लेकर भी वे पूरी तरह आश्वस्त नहीं थीं। इसी दौर में वे धीरे-धीरे डिप्रेशन की चपेट में आ गईं। डिप्रेशन इतना गहरा था कि मैं कुछ और सोच ही नहीं पा रही थी,इरा कहती हैं।

'डॉन 3' के लिए शाहरुख के पास पहुंचे फरहान

शाहरुख खान के चाहने वालों के लिए एक बड़ी और उत्साह बढ़ाने वाली खबर सामने आई है। लंबे समय से अटकी पड़ी फिल्म 'डॉन 3' को लेकर अब बड़ा अपडेट सामने आया है। रिपोर्ट्स के अनुसार, रणवीर सिंह के प्रोजेक्ट से बाहर होने के बाद निर्माता-निर्देशक फरहान अख्तर ने एक बार फिर असली 'डॉन' यानी शाहरुख खान से संपर्क किया है। खास बात यह है कि शाहरुख इस आइकॉनिक किरदार में वापसी के लिए तैयार हैं, लेकिन उन्होंने इसके लिए एक अहम शर्त रखी है। करीब दो साल पहले फरहान अख्तर ने रणवीर सिंह को 'डॉन 3' के लिए नए डॉन के तौर पर घोषित किया था, जिसे लेकर शाहरुख के फैंस काफी नाराज हो गए थे। अब ताजा रिपोर्ट्स की मानें तो रणवीर सिंह ने फिल्म से किनारा कर लिया है। बताया जा रहा है कि 'धुरंधर' की जबरदस्त सफलता के बाद रणवीर अपनी प्राथमिकताएं बदल चुके हैं और वह फिलहाल लगातार गैंगस्टर फिल्मों का हिस्सा नहीं बनना चाहते। रणवीर के बाहर होते ही फरहान अख्तर ने एक बार फिर शाहरुख खान का रुख किया है। शाहरुख खान 'डॉन' का चोला दोबारा पहनने को राजी हैं, लेकिन उन्होंने साफ तौर पर

कहा है कि 'डॉन 3' का निर्देशन फरहान अख्तर नहीं, बल्कि 'जवान' के निर्देशक एटली करें। शाहरुख का मानना है कि एटली का मास-एक्शन और ग्लोबल अपील वाला स्टाइल 'डॉन' फ्रैंचाइजी को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नई ऊंचाइयों तक ले जा सकता है। उल्लेखनीय है कि शाहरुख और एटली की फिल्म 'जवान' ने दुनियाभर में करीब 1,160 करोड़ रुपये की शानदार कमाई की थी।

'लैकी लैका' के फर्स्ट लुक में छाए राशा थडानी और अभय

फिल्म 'लैकी लैका' का फर्स्ट लुक आधिकारिक तौर पर जारी कर दिया गया है, जिसे शानदार और भावनात्मक तस्वीरों की एक खास सीरीज़ के ज़रिए सामने लाया गया। इन तस्वीरों में राशा थडानी और अभय वर्मा की जोड़ी ने पहली ही झलक में दर्शकों का दिल जीत लिया है। दोनों के बीच की केमिस्ट्री बेहद सहज, सच्ची और दिल को छू लेने वाली नज़र आ रही है, जो कहानी से पहले ही भावनात्मक जुड़ाव पैदा कर देती है। फिल्म के विज़ुअल्स पुरानी यादों को ताज़ा करते हैं और उस छोटे शहर की मासूम प्रेम कहानियों की झलक देते हैं, जिनकी कमी लंबे समय से हिंदी सिनेमा में महसूस की जा रही थी। 'लैकी लैका' का निर्देशन सौरभ गुप्ता ने किया है, जो इस फिल्म के ज़रिए एक भावनात्मक गहराई और ताज़ा कहानी कहने का अंदाज़ लेकर आ रहे हैं। फिल्म को भावना तलवार और राघव गुप्ता ने प्रोड्यूस किया है, जबकि फैंटम स्टूडियोज़ की क्रिएटिव हेड के तौर पर भावना तलवार इस प्रोजेक्ट की रचनात्मक दिशा भी संभाल रही हैं। जारी किए गए पोस्टर्स ताज़गी से भरपूर, जड़ों से जुड़े और आम रोमांटिक फिल्मों से बिल्कुल अलग नज़र आते हैं। राशा और अभय की केमिस्ट्री शांत, कोमल और भीतर तक असर छोड़ने वाली है। 'लैकी लैका' इसी साल रिलीज़ होने वाली है और इसकी पहली झलक ने ही दर्शकों की उम्मीदें और भावनाएं इस फिल्म से जोड़ दी हैं।

सरकारनामा

सब कुछ पॉलिटिकल

DBD दो बजे दोपहर 8

पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है

मुंबई | रविवार 18 जनवरी 2026

आठ पर अटकी बात

रिसॉर्ट पॉलिटिक्स शुरू

महायुति गठबंधन के पास बहुमत है लेकिन विपक्ष के एकजुट होने पर बहुमत से आठ पार्षद कम रह जाता है

स्पष्ट बहुमत मिलने के बावजूद एकनाथ शिंदे के खेमे में असुरक्षा का माहौल

शिंदे ने अपने जीते पार्षदों को 5 स्टार होटल में भेजा

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

बृहन्मुंबई नगर निगम (BMC) के 227 वार्डों के चुनाव परिणामों ने इतिहास रच दिया है। भाजपा और एकनाथ शिंदे की शिवसेना ने मिलकर कुल 118 सीटें जीती हैं, जो बहुमत के जादुई आंकड़े (114) से चार अधिक हैं। भाजपा 89 सीटों के साथ सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है, जबकि शिंदे गुट को 29 सीटें मिली हैं। इस जीत के साथ ही बीएमसी में पिछले ढाई दशक से चला आ रहा उद्धव ठाकरे का वर्चस्व समाप्त हो गया है। स्पष्ट बहुमत मिलने के बावजूद मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के खेमे में असुरक्षा का माहौल देखा जा रहा है। सूत्रों के मुताबिक, विपक्ष की ओर से पार्षदों को तोड़ने की किसी भी कोशिश को नाकाम करने के लिए शिंदे गुट के 29 नवनिर्वाचित पार्षदों को मुंबई के एक पांच सितारा होटल में शिफ्ट कर दिया गया है। राजनीतिक गलियारों में चर्चा है कि यदि विपक्ष एकजुट होता है, तो उसे बहुमत के लिए केवल 8 और पार्षदों की जरूरत होगी, जिसे देखते हुए शिंदे कोई जोखिम नहीं लेना चाहते।

मेयर पद पर शिंदे की दावेदारी और भाजपा के साथ पेंच

बीएमसी की सत्ता में किंगमेकर की भूमिका निभा रहे एकनाथ शिंदे अब 'किंग' बनने की राह पर हैं। शिंदे गुट के भीतर यह दबाव बढ़ रहा है कि मुंबई का मेयर उनकी पार्टी का ही होना चाहिए, क्योंकि परंपरा के अनुसार शिवसेना ही इस पद पर काबिज रही है। हालांकि, 89 सीटें जीतकर सबसे बड़ी पार्टी बनी भाजपा भी इस बार अपना मेयर बनाने की पूरी कोशिश करेगी। यह खींचतान आने वाले दिनों में महायुति के भीतर नए समीकरण पैदा कर सकती है।

AIMIM की सक्रियता : होटल ट्राइडेंट में रणनीतिक बैठक

इस चुनाव में असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी AIMIM ने 8 सीटें जीतकर सबको चौंका दिया है। पार्टी अब सदन में अपनी भूमिका तय करने के लिए सक्रिय हो गई है। मुंबई के होटल ट्राइडेंट में AIMIM के नवनिर्वाचित पार्षदों और वरिष्ठ नेताओं की एक महत्वपूर्ण बैठक बुलाई गई है, जिसमें ओवैसी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए शामिल होंगे। यह माना जा रहा है कि त्रिशंकु जैसी स्थिति में 8 पार्षदों का यह समूह किसी भी पक्ष का खेल बनाने या बिगाड़ने की ताकत रखता है।

नंबर गेम

बहुमत का आंकड़ा

114

बीजेपी + शिवसेना (शिंदे):

118

संयुक्त विपक्ष: शिवसेना (UBT) + कांग्रेस + मनसे + एनसीपी (SP) + सपा + AIMIM =

106

यानी बहुमत से सिर्फ 8 कम

यही '8' अब महाराष्ट्र की राजनीति की सबसे बड़ी कहानी बन गया है।

विपक्ष की 'एकजुटता' का खतरा और 8 पार्षदों का गणित

उद्धव ठाकरे की शिवसेना (UBT) ने 65 सीटों के साथ अपनी उपस्थिति मजबूती से दर्ज कराई है। यदि कांग्रेस (24 सीटें), MNS (6 सीटें) और अन्य छोटे दल हाथ मिला लेते हैं, तो विपक्ष का आंकड़ा बहुमत के काफी करीब पहुंच जाता है। इसी डर ने सत्ताधारी गठबंधन को चौकन्ना कर दिया है। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि विपक्ष की नजर शिंदे गुट के उन पार्षदों पर हो सकती है जो मेयर पद या समितियों के बंटवारे से असंतुष्ट हो सकते हैं।

भरोसे और चुनौती के बीच मुंबई की नई राजनीति

बीएमसी का चुनाव परिणाम केवल सीटों का आंकड़ा भर नहीं है, बल्कि यह भरोसे और भविष्य की रणनीति का लिटमस टेस्ट है। 74,000 करोड़ से अधिक के बजट वाली इस देश की सबसे अमीर महानगरपालिका की चाबी अब किसके हाथ में पूरी तरह सुरक्षित रहेगी, यह मेयर चुनाव के दिन साफ होगा। फिलहाल, मुंबई की राजनीति होटल के कमरों और गुप्त मुलाकातों के इर्द-गिर्द सिमट गई है, जो आने वाले एक सप्ताह तक बेहद रोमांचक रहने वाली है।

इज्जत और हिस्सेदारी मिलेगी तो बीएमसी में उद्धव-कांग्रेस का साथ देंगे : ओवैसी

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

महाराष्ट्र की 29 महानगरपालिकाओं के चुनाव परिणामों ने राज्य की राजनीति में हलचल मचा दी है। असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी एआईएमआईएम (AIMIM) ने 126 सीटें जीतकर सबको चौंका दिया है। इस बड़ी जीत के बाद, अब सवाल उठ रहे हैं कि क्या ओवैसी मेयर बनाने के लिए उद्धव ठाकरे की शिवसेना (UBT), कांग्रेस या शरद पवार की एनसीपी के साथ हाथ मिलाएंगे। एक विशेष इंटरव्यू में ओवैसी ने स्पष्ट किया कि वे किसी के सामने 'झुकने' के लिए तैयार नहीं हैं, लेकिन 'सम्मान' मिलने पर बातचीत के रास्ते खुले हैं। इन चुनावों में एआईएमआईएम का सबसे शानदार प्रदर्शन छत्रपति संभाजीनगर (पूर्व औरंगाबाद) में रहा, जहाँ पार्टी ने 33 सीटें जीतकर खुद को भाजपा के बाद दूसरी सबसे बड़ी शक्ति के रूप में स्थापित किया है।

"इज्जत के साथ हिस्सेदारी" की शर्त

गठबंधन के सवाल पर ओवैसी ने दो टूक शब्दों में कहा कि वे दरी बिछाने के लिए तैयार नहीं हैं। उन्होंने कहा, ₹अगर इज्जत के साथ हिस्सेदारी की बात होगी तो हमारे नेता इम्तियाज जलील बात करेंगे।₹ ओवैसी ने साफ किया कि अगर विपक्षी दल (MVA) उन्हें सम्मान नहीं देते और सत्ता में हिस्सेदारी की बात नहीं करते, तो वे किसी भी प्रकार के समझौते के लिए आगे नहीं बढ़ेंगे।

उद्धव और कांग्रेस पर ओवैसी का तीखा प्रहार

उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस और उद्धव ठाकरे के गुट को उनकी 'परछाई' से भी डर लगता है। उन्होंने कहा कि चुनाव प्रचार के दौरान विपक्षी नेताओं ने उनके लिए 'जोकर' जैसे अपशब्दों का इस्तेमाल किया और उन्हें गाली दी। ओवैसी ने याद दिलाया कि बिहार चुनाव में उन्होंने सहयोग के लिए पत्र लिखा था, जिसे ठुकरा दिया गया था। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि अब जनता ने उन्हें जवाब दे दिया है। 126 सीटों की बड़ी जीत ने कई नगर निगमों में एआईएमआईएम को 'किंगमेकर' बना दिया है। कई शहरों में न तो सत्ताधारी महायुति और न ही विपक्षी महाविकास आघाड़ी के पास स्पष्ट बहुमत है। ऐसी स्थिति में ओवैसी का रुख बेहद महत्वपूर्ण होगा।

अमरावती मनपा में 'खिचड़ी जनादेश', 'किंगमेकर' की तलाश

- कांग्रेस एवं भाजपा के नेता जादुई आंकड़े के लिए कर रहे जमा-जोड़
- पक्षीय बलाबल की संख्या ने स्थिति को बनाया जबरदस्त पेचीदा

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

अमरावती महानगरपालिका के 87 वार्डों के चुनावी नतीजे घोषित होने के बाद शहर में 'हंग असेंबली' (त्रिशंकु सदन) की स्थिति पैदा हो गई है। मतदाताओं ने किसी भी एक पार्टी को स्पष्ट बहुमत नहीं दिया है, जिससे 44 सीटों के जादुई आंकड़े को छूना अब सभी के लिए एक बड़ी चुनौती बन गया है। इस 'खिचड़ी जनादेश' ने राजनीतिक गलियारों में खलबली मचा दी है और अब सत्ता की चाबी उन छोटे दलों और निर्दलीयों के पास है, जिन्होंने एक-दो सीटें जीती हैं।

पार्टी-वार स्थिति और सीटों का गणित

नतीजों के अनुसार, भारतीय जनता पार्टी (BJP) 25 सीटों के साथ सबसे बड़े दल के रूप में उभरी है। कांग्रेस और विधायक रवि राणा की युवा स्वाभिमान पार्टी (YSP) को 15-15 सीटें मिली हैं। असदुद्दीन ओवैसी की AIMIM ने 12 सीटों के साथ अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज कराई है। वहीं, अजित पवार की राकांपा को 11, एकनाथ शिंदे की शिवसेना को 3, बसपा को 3, उद्धव ठाकरे की शिवसेना को 2 और वंचित बहुजन आघाड़ी को 1 सीट पर जीत मिली है।

महायुति का पहला समीकरण

सत्ता के लिए भाजपा के पास पहला और सबसे सहज विकल्प 'महायुति' के साथियों को साथ लेना है। यदि भाजपा (25), युवा स्वाभिमान पार्टी (15), और शिंदे की शिवसेना (3) एक साथ आते हैं, तो यह आंकड़ा 43 तक पहुँच जाता है। बहुमत के लिए आवश्यक 44 के आंकड़े को छूने के लिए उन्हें केवल एक और पार्षद की जरूरत होगी, जो निर्दलीय या छोटे दलों से मिल सकता है।

आंकड़ों में इलेक्शन

खतरे की घंटी या गठबंधन की नई परिभाषा?

बीजेपी अब अपने सहयोगियों के 'वोट बैंक' को पूरी तरह कर रही आत्मसात

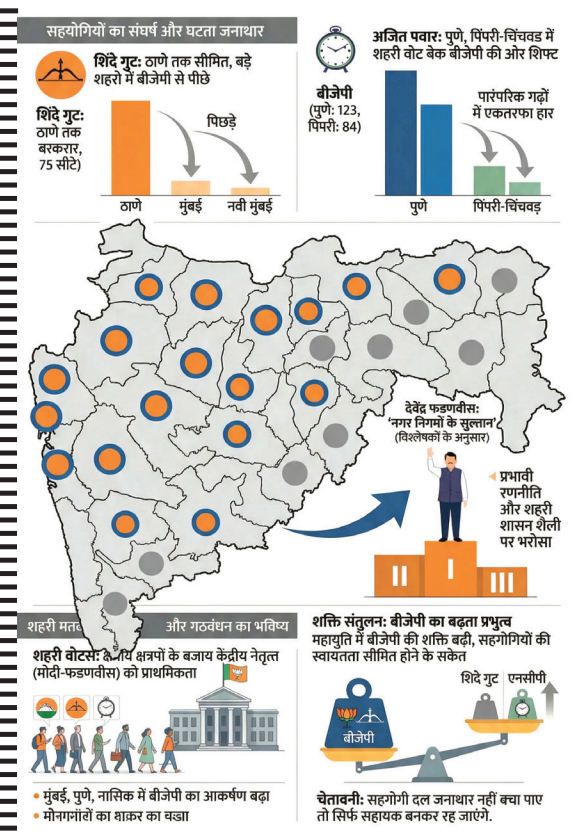

फडणवीस का 'नगर निगम मॉडल' : 29 में से 21 पर कब्जा

महाराष्ट्र भर में हुए नगर निगम चुनावों में बीजेपी ने 29 में से 21 नगर निगम जीत लिए, जिनमें मुंबई, नवी मुंबई, संभाजीनगर, नासिक और सोलापुर जैसे बड़े शहर शामिल हैं। फडणवीस की रणनीति और चुनावी प्रबंधन को देखते हुए कई राजनीतिक विश्लेषक उन्हें 'नगर निगमों का सुल्तान' कह रहे हैं। बीजेपी न सिर्फ खुद मजबूत हुई है बल्कि उसके सहयोगी दलों- शिंदे की शिवसेना और अजित पवार की एनसीपी, इस जीत के बावजूद संघर्ष करते दिखे।

शिंदे की स्थिति

शिवसेना ने अपना पारंपरिक गढ़ ठाणे में 75 सीटों के साथ दबदबा बरकरार रखा। मुंबई और नवी मुंबई में शिंदे गुट बीजेपी से काफी पीछे रह गया। इससे साफ दिखता है कि मुंबई-पुणे जैसे शहरी मतदाता अब फडणवीस की नगरीय शासन शैली पर अधिक भरोसा कर रहे हैं।

अजित पवार की चुनौती

पुणे और पिंपरी-चिंचवड़, जो परंपरागत रूप से अजित पवार की ताकत वाले इलाके माने जाते थे, वहां बीजेपी ने एकतरफा जीत दर्ज कर ली। पुणे में 123 सीटें बीजेपी के खाते में गईं तो पिंपरी-चिंचवड़ में भाजपा ने 84 सीटें जीतीं।

फडणवीस-शिंदे का 'माइक्रो मैनेजमेंट' पड़ा भारी

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

देश की सबसे अमीर नगर पालिका, बृहन्मुंबई नगर निगम (BMC) के नतीजों ने महाराष्ट्र की राजनीति का नक्शा बदल दिया है। लगभग तीन दशकों से मुंबई पर राज करने वाले ठाकरे परिवार के हाथ से सत्ता फिसल गई है। बीजेपी और एकनाथ शिंदे की शिवसेना (महायुति) ने 227 सीटों वाली बीएमसी में 118 सीटें जीतकर 114 के जादुई आंकड़े को पार कर लिया है। बीजेपी 89 सीटों के साथ सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है, जबकि शिंदे गुट ने 29 सीटें हासिल की हैं। वहीं, उद्धव ठाकरे की शिवसेना 65 और राज ठाकरे की मनसे केवल 6 सीटों पर सिमट गई है।

भाई-भाई का साथ भी नहीं दिखा सका जादू

इस चुनाव की सबसे बड़ी चर्चा उद्धव और राज ठाकरे का 18 साल बाद साथ आना थी। दोनों भाइयों ने 'मराठी अस्मिता' के मुद्दे पर गठबंधन किया ताकि मराठी वोटों का बंटवारा रोका जा सके। विश्लेषकों का मानना था कि राज ठाकरे के पास हर वार्ड में जो 2 से 3 हजार 'कैडर वोट' हैं, वे उद्धव की सेना को जीत दिलाएंगे। हालांकि, नतीजे बताते हैं कि यह गठजोड़ बीजेपी के 'हिंदुत्व' और 'विकास' के मॉडल के सामने फीका पड़ गया। 27% वोट शेयर के साथ उद्धव ने टक्कर तो दी, लेकिन सत्ता बचाने में नाकाम रहे।

मराठी वोटबैंक में बीजेपी की बड़ी सेंध

मुंबई के 227 वार्डों में से 140 वार्ड मराठी बहुल माने जाते हैं। पारंपरिक रूप से यह शिवसेना का गढ़ था, लेकिन 2017 से ही बीजेपी ने यहाँ अपनी पकड़ मजबूत करनी शुरू कर दी थी। इस बार बीजेपी ने न केवल हिंदी भाषी और गुजराती बेल्ट (करीब 40 वार्ड) में जीत हासिल की, बल्कि मराठी भाषी इलाकों की 40 से ज्यादा सीटों पर भी कब्जा जमाया।

शिंदे की 'सर्जिकल स्ट्राइक' और उद्धव का नुकसान

2022 में पार्टी टूटने के बाद एकनाथ शिंदे ने व्यवस्थित तरीके से उद्धव के आधार को कमजोर किया। शिंदे ने 2017 में जीत चुके करीब 50 पूर्व पार्षदों को अपने पाले में लिया। हालांकि, शिवसेना की 'शाखाएं' अभी भी उद्धव के साथ खड़ी दिखीं, लेकिन चुनाव जीतने के लिए आवश्यक 'संसाधन और सत्ता बल' शिंदे के पास था।

हार के बावजूद उद्धव का 'सम्मानजनक' प्रदर्शन

राजनीतिक पंडितों का एक वर्ग उद्धव ठाकरे के प्रदर्शन को 'अधूरी जीत' की तरह देख रहा है। सत्ता, संसाधन और पार्टी का नाम-निशान खोने के बाद भी उद्धव ने अकेले (कांग्रेस के साथ मिलकर) 100 के करीब सीटें हासिल की हैं। 65 सीटों पर जीत दर्ज करना यह दर्शाता है कि मुंबई का एक बड़ा वर्ग अभी भी उद्धव को 'असली शिवसेना' का वारिस मानता है। शिंदे की सेना 29 सीटों पर सिमट गई, जो यह बताती है कि जमीनी स्तर पर उनका प्रभाव अभी भी बीजेपी के समर्थन पर टिका है।